संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 327 बुधवार 01 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भाजपा नेता विजय कुमार मल्होत्रा का निधन

दिल्ली में एक दिन का राजकीय शोक

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2025 (ए)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा के निधन पर दिल्ली सरकार ने बुधवार को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उनका अंतिम संस्कार बुधवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को दिवंगत नेता के निवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रो. मल्होत्रा भाजपा के संगठनात्मक आधार के स्तंभ थे, जिन्होंने न केवल दिल्ली की राजनीति को दिशा दी, बल्कि एक सच्चे जनसेवक के रूप में समाज में नई मिसाल कायम की। मुख्यमंत्री ने प्रो. मल्होत्रा के निधन को अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति बताया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रो. मल्होत्रा भारतीय जनसंघ और भाजपा के प्रथम पंक्ति के योद्धा थे। उन्होंने दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष के रूप में संगठन की नींव को मजबूती प्रदान की और हजारों कार्यकर्ताओं को अनुशासन, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। उनके जाने से भाजपा परिवार ही नहीं, बल्कि दिल्ली के सामाजिक और राजनीतिक वन में भी एक गहरी रिक्तता उत्पन्न हुई है।

जीएसटी घोटाले के आरोपित अमित गुप्ता की 15.41 करोड़ की संपति ईडी ने की जब्त

रांची,30 सितम्बर 2025 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 734 करोड़ रुपये की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) घोटाले की जांच के दौरान 15.41 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इससे पहले इस मामले में 5.20 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। अधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि जब्त की गई संपत्ति घोटाले के मास्टर माइंड के करीबी अमित गुप्ता की है। जब्त की गई सभी संपत्तियां कोलकाता में स्थित हैं। घोटाले के सिंडिकेट में शामिल लोगों ने कमीशन के तौर पर 67 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की है। ईडी रांची ने जीएसटी इंटेलिजेंस की ओर से दर्ज किए गए मामलों के आधार पर जीएसटी घोटाले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान ईडी ने आठ मई 2025 को जमशेदपुर और कोलकाता में छापा मारा। छापेमारी के दौरान मिले तथ्यों और सबूतों के आधार पर घोटाले के मास्टर माइंड शिवकुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा, अमित गुप्ता और अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया को गिरफ्तार किया गया था। ईडी की ओर से मामले की जांच के बाद गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया जा चुका है। जांच में पाया गया कि जीएसटी घोटाले को अंजाम देने के लिए शिव कुमार देवड़ा सहित अन्य आरोपितों ने मिलकर 135 शेल कंपनियां बनाई हैं और शेल कंपनियों के सहारे बगैर सामग्रियों के आपूर्ति के ही जीएसटी का फर्जी बिला बनाया और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लिया। आरोपितों ने फर्जी जीएसटी बिल के बदले पांच प्रतिशत की दर से कमीशन लिया। इस तरह इन लोगों नें सिर्फ कमीशन के रूप में 67 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की। मामले में ईडी की जांच जारी है।

सीडीएस चौहान ने परमाणु हथियारों के जैविक खतरों से तैयार रहने का आह्वान किया

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2025 (ए) चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को भविष्य के लिए परमाणु हथियारों से होने वाले जैविक खतरों के खिलाफ तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के डेटा केंद्रित युद्ध के युग में सूचना तक पहुंच दुश्मन को या तो हम पर बढ़त दिला सकती है या उसे कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है। हालांकि, डेटा सुरक्षा और डेटा संरक्षण सीधे तौर पर एमएनएस की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन आपको इन सभी प्रकार की चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए। दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) के 100वें स्थापना दिवस पर वैज्ञानिक सत्र को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेगा। हालांकि, हमारी ओर से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना बहुत कम है, फिर भी इसे हमारी सुरक्षा में शामिल करना समझदारी होगी। रेडियोलॉजिकल प्रदूषण के लिए अलग प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है और यह हमारे प्रशिक्षण का हिस्सा होना चाहिए।

चेन्नई में थर्मल पावर स्टेशन का निर्माणाधीन ढांचा गिरा

नौ लोगों की मौत,पीएम मोदी ने जताया शोक

चेन्नई,30 सितम्बर 2025 (ए)। उत्तर चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन के निर्माण स्थल पर सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार निर्माणाधीन ढांचा गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई है। वहीं, कई श्रमिकों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को तत्काल उत्तर चेन्नई स्थित स्टैनली सरकारी अस्पताल ले जाया गया,जहां उनका इलाज जारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर शोक जताया और मुआवजे का एलान किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में प्रभावित परिवारों के साथ उनकी संवेदनाएं हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं,घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं और राहत-बचाव कार्य जारी है। पीएम ने इसे दुखद और पीड़ादायक क्षण बताया। पुलिस आयुक्तालय ने बताया कि हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

कैसे हुआ हादसा?

पावर प्लांट की साइट पर निर्माण का काम चल रहा था। मजदूर एक मचान पर चढ़कर काम कर रहे थे। इस दौरान अचानक मचान नीचे गिर पड़ी। इससे करीब 30 फीट से मजदूर नीचे गिरे और तेज आवाज हुई। ऐसे में मजदूरों ने आनन-फानन में खुद राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया और पावर प्लांट के अधिकारियों को इस हादसे की जानकारी दी।

सरकार ने दिए जांच के आदेश

राज्य सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम हादसे के कारणों की पड़ताल कर रही है। श्रमिकों की सुरक्षा और निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

थर्मल पावर प्लांट की क्षमता

ये थर्मल पावर प्लांट चेन्नई में स्थित एक कोयला आधारित बिजली संयंत्र है। इसे 1970 में स्थापित किया गया था। इसकी क्षमता 450 मेगावाट है। यह राज्य का एक महत्वपूर्ण बिजली प्रदाता रहा है। वर्तमान में एन्नोर एसईजेड सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट जैसी विस्तार परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

मप्र के भिण्ड में बेकाबू कैंटर ने दो बाइकों में मारी टक्कर,पांच की मौत

भिण्ड,30 सितम्बर 2025 (ए)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में नेशनल हाइवे 719 पर मंगलवार को एक बेकाबू कैंटर ने दो बाइकों में टक्कर मार दी,जिससे पांच लोगों की मौत हो गई। भिंड में नेशनल हाइवे 719 पर मंगलवार सुबह 11 बजे फूप थाना क्षेत्र में आने वाली टेडी पुलिया के पास एक तेज गति से आ रही बेकाबू आयशर कैंटर ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। इससे इन दोनों बाइकों में सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में नामचीन तैराक भोला खान भी हैं। उन्होंने कई बार लोगों को गौरी सरोबर में डूबने से बचाया था। हादसे की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी फूप सतेंद्र राजपूत मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने सभी को जिला अस्पताल भेज दिया। डाक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया है। जानकारी मिलने पर मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस के अनुसार कैंटर इटावा की ओर से आ रही थी और बाइक सवार बाइक से फूप की ओर जा रहे थे। गौरी सरोवर के पास रहने वाला गोताखोर भोला खान अपनी बाइक से बेटी को लेने के लिए इटावा जा रहे थे। इसी दौरान इटावा की ओर से आ रही कैंटर ने भोला की बाइक को चपेट में ले लिया।

इसी दौरान उक्त आयशर कैंटर ने दूसरी बाइक पर आ रहे पावई थाना क्षेत्र के गांव सौरा निवासी सुनील बघेल (37) उसकी पत्नी सुनीता बघेल (32) साल, बेटा छोटे लाल (5) और बेटी अंशु बघेल(15) को भी रौंद दिया। सुनील बघेल अपने रिश्तेदार के घर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फूप जा रहे थे।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की फाइनल लिस्ट जारी

69 लाख नाम हटे,21 लाख नए जुड़े,कुल वोटर्स 7.42 करोड़

पटना,30 सितम्बर 2025 (ए)। चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की फाइनल लिस्ट मंगलवार को जारी कर दी है। बिहार में अब कुल वोटर्स की संख्या 7.42 करोड़ हो गई है। फाइनल लिस्ट से 69.29 लाख नाम कटे हैं। 21.53 लाख नए नामों को जोड़ा गया है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन से पहले जून 2025 में बिहार में कुल 7.89 करोड़ वोटर्स थे। पहली ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद ये आंकड़ा 7.24 करोड़ हो गया है। इसमें 65.63 लाख लोगों के नाम कटे थे। पहले ड्राफ्ट लिस्ट से जो 65 लाख नाम कटे थे, उसमें 17 लाख नामों को लिस्ट में जोड़ा गया है। नई लिस्ट में 22.34 लाख लोग मृत पाए गए हैं। 6.85 लाख लोगों के 2 जगह नाम मिले हैं। 36.44 लाख लोग दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया जून 2025 से शुरू की गई थी। इसमें 7.89 करोड़ रजिस्टर्ड वोटर्स से दोबारा फॉर्म भरवाए गए थे। इसके बाद 1 अगस्त को लिस्ट जारी की गई, जिसमें 65 लाख वोटर्स के नाम काट दिए गए थे। ये 65 लाख लोग ऐसे वोटर्स हैं, जो मर चुके हैं या स्थायी रूप से बाहर चले गए हैं। इनमें से कुछ लोग ऐसे भी थे, जिनके पास 2 वोटर आईडी थे। फाइनल लिस्ट जारी होने के साथ ही चुनावी तैयारियां और तेज हो जाएंगी।

फाइनल लिस्ट में पटना में 1.63 लाख वोटर्स बढ़े...

फाइनल स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन लिस्ट में पटना जिले में 1 लाख 63 हजार 600 मतदाता बढ़े हैं। पटना में पहले 46 लाख 51 हजार 694 मतदाता थे। फाइनल रोल में 48 लाख 15 हजार 694 मतदाताओं के नाम हैं। वहीं, सारण में 2 लाख 24 हजार 768 मतदाताओं का नाम कट गया है। पहले यहां 31 लाख 27 हजार 451 वोटर्स थे, जो अब घटकर 29 लाख 02 हजार 683 हो गए।

24 जून 2025 से शुरू हुई स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया

बिहार में 2003 के बाद पहली बार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया चली। इसे 24 जून 2025 को शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य था, फर्जी जैसे विदेशी नागरिकों, दोहराए गए और स्थानांतरित मतदाताओं को सूची से हटाना और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ना। इसके तहत 7.24 करोड़ मतदाताओं से फॉर्म लिए गए। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का पहला फेज 25 जुलाई 2025 तक पूरा किया गया, जिसमें 99.8% कवरेज हासिल की गई। आंकड़ों के अनुसार, 22 लाख मतदाताओं की मौत हो चुकी है। 36 लाख मतदाता अपने घरों पर नहीं मिले। 7 लाख लोग किसी नई जगह स्थायी निवासी बन चुके हैं।

पाकिस्तान के क्वेटा में बम ब्लास्ट,10 की मौत

32 घायल,राष्ट्रपति जरदारी बोले- इसके पीछे भारत समर्थित आतंकियों का हाथ

इस्लामाबाद,30 सितम्बर 2025 (ए)। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में मंगलवार दोपहर भीड़भाड़ वाली सड़क पर सुसाइड बम ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी के मुताबिक, इसमें 10 लोगों की मौत हो गई और 32 घायल हैं। मारे गए लोगों में 4 उग्रवादी भी हैं। क्वेटा के एसएसपी मोहम्मद बलोच के मुताबिक, पैरामिलिट्री फोर्स हेडक्वार्टर के पास विस्फोटक से भरी गाड़ी में धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की खिड़कियां टूट गई और दीवारों में दरार आ गई। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि इसके पीछे भारत समर्थित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों का हाथ है। भारत ने अभी तक इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

क्वेटा के सभी बड़े हॉस्पिटल में इमरजेंसी घोषित : बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मोहम्मद काकर के मुताबिक घायलों को सिविल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। सभी बड़े अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। इनमें क्वेटा सिविल अस्पताल, बलूचिस्तान मेडिकल कॉलेज अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर शामिल हैं। सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्ट, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को अस्पतालों में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री ने आतंकी घटना बताया : बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस घटना को आतंकी हमला बताया। उन्होंने कहा, धमाके के बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की और चार आतंकियों को मार गिराया। हम शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

लद्दाख हिंसा की न्यायिक जांच हो:राहुल गांधी

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लद्दाख हिंसा में मारे गए फौजी त्सेवांग थरचिन के पिता के दर्द को बयां करते हुए केंद्र सरकार से मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में जिस तरह एक देशभक्त फौजी की जान ली गई, वह न केवल दुखद है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी हमला है। राहुल गांधी ने मंगलवार को त्सेवांग थरचिन के पिता का एक वीडियो एक्स पर साझा करते हुए कहा कि पिता फौजी,बेटा भी फौजी,जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली गयी, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। उन्होंने केंद्र से मांग की कि इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। वीडियो में मारे गए त्सेवांग थरचिन के पिता ने कहा कि जब किसी पुलिस या एसपी का बच्चा मरता है, तब वह क्या सोचता है?

तीनों सेनाओं के साथ आने पर ही चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम होगा भारत : राजनाथ

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2025 (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि मां दुर्गा इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण हैं कि जब चुनौतियां बड़ी और असाधारण होती हैं,तो एकीकृत शक्ति अजेय हो जाती है। हमारी तीनों सेनाएं ऑपरेशनल तत्परता की दिशा में काम कर रही है, लेकिन हमारा अगला कदम अखिल भारतीय स्तर पर तीनों सेनाओं के लॉजिस्टिक्स एकीकरण पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हमारी तीनों सेनाएं एक साथ आएंगी और एक साथ बढ़ेंगी,तभी हम चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर पाएंगे। नई दिल्ली में आज तीनों सेनाओं के सेमिनार को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सेनाएं न सिर्फ दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेना में गिनी जाती हैं, बल्कि उनके मूल्य और उनका दृष्टिकोण भी पूरी दुनिया में कायम हैं। हमारी हर सेना की अपनी गौरवशाली परंपरा रही है, अपनी पहचान रही है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक उदाहरण है कि जब हमारी सेनाएं एक साथ काम करती हैं,तो यह ताकत को कई गुना बढ़ा देती हैं और जीत सुनिश्चित करती हैं। हम दूसरे देशों की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीख सकते हैं, लेकिन प्रत्येक देश की अपनी विशिष्ट परिस्थितियां होती हैं। हम एक ऐसी प्रणाली बना सकते हैं,जो आधुनिक, सक्षम और हर सेवा के लिए उपयोगी हो। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने अपनी हवाई रक्षा में संयुक्तता का जबरदस्त प्रदर्शन किया, जो निर्णायक साबित हुआ। भारतीय वायु सेना की एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली को भारतीय सेना के आकाश तीर और भारतीय नौसेना के त्रिगुण के साथ सहजता से एकीकृत करना ही इस ऑपरेशन की कामयाबी का मूल आधार था। इन प्रणालियों में त्रि-सेवा तालमेल है,जिससे कमांडरों को तुरंत सही समय में और सही फैसले लेने की ताकत मिल गई। यह ऑपरेशन इस बात का प्रमाण है कि जब हमारी सेना मिलकर काम करती है, तो उनकी संयुक्त ताकत में वृद्धि होती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में सुरक्षा का स्वरूप काफी बदल गया है। धमकियां पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई हैं। आज भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबरस्पेस,ये सभी डोमेन गहराई से जुड़े हुए हैं। निश्चित रूप से हमारी हर सेना के पास अकेले ही किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता है, लेकिन आज के दौर में हमें निरंतर संवाद की आवश्यकता होगी। ऐसे में नेतृत्व की भूमिका प्रमुख है। उसे हर कदम पर स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों आवश्यक है। जब प्रत्येक सेवा और प्रत्येक कर्मचारी एकजुटता के महत्व को समझेंगे, तभी यह सफल होगा। आज के एकीकृत संचालन के युग में महत्वपूर्ण है कि ये प्रणालियां आपस में निर्बाध रूप से जुड़ी रहें। अलग-थलग रहकर काम करना निर्णय लेने में एक बड़ी चुनौती पेश कर सकता है।

मैं मुंबई हमले का बदला लेना चाहता था, मनमोहन सरकार पर अमेरिकी दबाव था : पी चिदंबरम

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2025 (ए)। मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम ने खुलासा किया है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था,लेकिन उस वक्त की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया।

2008 के मुंबई आतंकी हमलों के 17 साल बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री ने एक चैनल को मंगलवार को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई न करने का फैसला अंतरराष्ट्रीय दबाव और विदेश मंत्रालय के रुख के कारण लिया गया था। मुंबई हमले में 175 लोगों की जान गई थी।

60 घंटों तक 10 आतंकियों ने मुंबई की सड़कों,ताज होटल, सीएसटी रेलवे स्टेशन,नरीमन हाउस और कामा हॉस्पिटल को निशाना बनाया था। अंधाधुंध फायरिंग की थी।

गन्ने की खेती पर रिसर्च के लिए आईसीएआर में बनेगी अलग टीम:शिवराज

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पूसा परिसर में आयोजित गन्ना अर्थव्यवस्था पर राष्ट्रीय परामर्श सत्र को वर्चुअल रूप से संबोधित किया। इस दौरान शिवराज सिंह ने कहा कि देश में गन्ने पर रिसर्च के लिए आईसीएआर में अलग टीम बनाई जाएगी। यह टीम देखेगी कि गन्ने की पॉलिसी कैसी होना चाहिए। यह टीम व्यावहारिक समस्याओं पर गौर करेगी। किसान और इंडस्ट्री की मांगों के अनुरूप रिसर्च होना चाहिए। जिस रिसर्च का किसान को फायदा नहीं, उसका कोई मतलब नहीं।

मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि गन्ने की 238 वैरायटी में चीनी की मात्रा अच्छी निकली है, लेकिन इसमें रेड रॉट की समस्या आ रही है। हमें साथ-साथ दूसरी वैरायटी पर भी काम करना पड़ेगा। नई वैरायटी आती है तो रोग भी आते हैं। मोनोक्रॉपिंग अनेक रोगों को निमंत्रण देती है।

इससे नाइट्रोजन फिक्सेशन की समस्या भी उपजती है। एक फसल पोषक तत्वों को कम कर देती है। यह देखा जाना चाहिए कि मोनोक्रॉपिंग की जगह इंटरक्रॉपिंग कितनी व्यावहारिक है। उन्होंने कहा कि पानी की आवश्यकता को हम कैसे कम कर सकते हैं। इसके लिए 'पर ड्रॉप-मोर क्रॉप' सोच का आधार होना चाहिए। साथ ही यह भी देखना है कि किसान उतना खर्च करेगा कैसे,क्योंकि ड्रिप बिछाने के लिए पैसे चाहिए। शिवराज सिंह ने कहा कि बायोप्रोडक्ट और कैसे उपयोगी हो सकते हैं,इस पर विचार करना चाहिए। एथेनॉल का अपना महत्व है। मोलासेस की अपनी उपयोगिता है। कौन-से अन्य प्रोडक्ट बन सकते हैं, जिनसे गन्ने के किसानों का लाभ बढ़े। उन्होंने कहा कि यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या प्राकृतिक खेती फर्टिलाइजर की समस्या में सहायक हो सकती है। वैल्यू चेन एक बड़ा सवाल है। इसे लेकर किसानों की शिकायत व्यवहारिक है। चीनी मिलों की अपनी समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी होती है।

यह देखना चाहिए कि क्या हम ट्रेनिंग देकर कैपेसिटी बिल्डिंग का काम कर सकते हैं। मैकेनाइजेशन डिवीजन भी इस पर सोचे कि कम मेहनत से कैसे गन्ने की कटाई की जा सकता है।

संपादकीय

ग्रामीण ऋण में असमानता

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के ग्रामीण धारणा सर्वेक्षण, सितंबर 2025 में अन्य बातों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण वितरण में प्रगति और इसमें लगातार जारी खामियों का जिक्र किया गया है। इस सर्वेक्षण में एक सकारात्मक पहलू यह निकल कर आया है कि अब 54.5 फीसदी परिवार केवल औपचारिक स्रोतों से ऋण लेते हैं, जो 2024 में सर्वेक्षण शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। मगर लगभग 22 फीसदी ग्रामीण परिवार अभी भी पूरी तरह अनौपचारिक स्रोतों से प्राप्त ऋणों पर निर्भर हैं। यह वर्ग अभी भी ऊंची ब्याज दर का भुगतान कर रहा है। औसत ब्याज दरें लगभग 17-18 फीसदी के आसपास हैं, जिनमें से एक तिहाई कर्जधारक सालाना 20 फीसदी से अधिक भुगतान करते हैं। लगभग 24 फीसदी परिवार औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों तरह के ऋणों पर निर्भर हैं। इसके अलावा, लगभग 30 फीसदी परिवार अपने परिजनों एवं दोस्तों से ऋण लेते हैं जिन पर कोई ब्याज नहीं देना होता है। इस तरह, भले ही बैंक ग्रामीण क्षेत्र में अपनी पहुंच बढ़ाने में सफल रहे हैं मगर ग्रामीण परिवारों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी ऋण के अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग शाखाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेष रूप से गांवों में शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33,378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56,579 हो गई। मगर अब भी कई परिवार साहूकारों पर निर्भर हैं जो यह संकेत दे रहा है कि केवल बैंकों की शाखाओं की संख्या बढ़ना ही पर्याप्त नहीं है। ढांचागत व्यवस्था भी एक भूमिका निभाती है। कई ग्रामीण परिवारों को आय अस्थिरता, मौसमी जोखिमों और सरकार से घटते धन हस्तांतरण का सामना करना पड़ता है, जो अब मासिक आय का सिर्फ 9.27 फीसदी है। यह आंकड़ा सर्वेक्षण शुरू होने के बाद सबसे कम है। इन परिस्थितियों में भारी भरकम ब्याज के बावजूद अनौपचारिक ऋणों की तत्काल उपलब्धता और उनका लचीलापन अस्तित्व बनाए रखने की रणनीति के रूप में काम करते हैं।

सामाजिक और जनसांख्यिकीय कारक भी ऋण लेने के उद्देश्यों पर असर डालते हैं। नीति आयोग की 2025 की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 2019 से महिलाओं की तरफ से ऋणों की मांग 22 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ रही है, जिनमें 60 फीसदी कर्जधारक कस्बाई एवं ग्रामीण क्षेत्रों से ताल्लुक रखती हैं। कई लोग ऋण लेना तो चाहते हैं मगर इसके लिए उनकी तैयारी दुरुस्त नहीं होती,मसलन दस्तावेज की कमी,गारंटी दाता की कमी एवं अन्य शर्तें बाधा डाल रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र में ऋण असमानता दूर करने के लिए शाखा विस्तार के अलावा दूसरे कदम भी उठाने की जरूरत है। आगे की राह दोतरफा है। सबसे पहले,प्राथमिकता क्षेत्र ऋण ढांचे को न केवल लक्ष्यों को बल्कि ऋण गुणवत्ता भी सुनिश्चित कर मजबूत बनाया जाना चाहिए। कमजोर वर्गों को होने वाले ऋण आवंटन पर नजर रखने और छोटे ऋणों, कम अवधि के ऋण वाली योजनाएं तैयार से साहूकारों पर निर्भरता कम होगी। इसके लिए बैंकों और सहकारी समितियों के लिए केंद्रित तंत्र तैयार करने की आवश्यकता है। दूसरी बात, लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जा सकता है। 'आधार'-आधारित सूक्ष्म उधारी व्यवस्था, अंतर-परिचालन वाले डिजिटल वॉलेट और मोबाइल-आधारित शिकायत निवारण तंत्र यह अंतर पाट सकते हैं। बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधि ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बन सकते हैं।

फिनटेक यानी वित्त-तकनीक कंपनियां कर्जधारकों के लिए विश्वसनीय क्रेडिट प्रोफाइल तैयार करने के लिए वैकल्पिक क्रेडिट स्कोरिंग डेटा का उपयोग कर सकती हैं। अंत में,नीति न केवल लोगों की बैंकों तक पहुंच सुनिश्चित प्रदान करने तक सीमित रहनी चाहिए बल्कि ऋण किफायती बनाने और वित्तीय जागरूकता में सुधार करने में भी मददगार होनी चाहिए। ग्रामीण आजीविका कार्यक्रमों से जुड़ी बुनियादी वित्तीय शिक्षा लोगों को साहूकारों पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है। ग्रामीण ऋण व्यवस्था ने अच्छी प्रगति की है लेकिन अनौपचारिक ऋणों की लागत और निर्भरता दर्शाती है कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है। ग्रामीण भारत में ऋण असमानता दूर करना समावेशी विकास हासिल करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

बुजुर्गों के प्रति हृदय में हर पल हो सम्मान का भाव

दुनियाभर में बुजुर्गों की समस्याओं को रेखांकित करने और बुजुर्गों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 अक्तूबर को 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' मनाया जाता है। भारतीय समाज में तो बुजुर्गों का स्थान सदैव सर्वोपरि रहा है लेकिन संयुक्त परिवारों के बजाय एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण हमारे यहां भी बुजुर्गों की उपेक्षा के मामलों में वृद्धि हो रही है। इस वर्ष यह दिवस 'स्थानीय और वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले वृद्धजनः हमारी आकांक्षाएं,हमारा कल्याण,हमारे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है।

योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति में सदा से ही बड़ों के आदर-सम्मान की परम्परा रही है लेकिन आज दुनिया के अन्य देशों सहित हमारे देश में भी वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। अधिकांश परिवारों में वृद्ध जिस तरह की उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं, उससे ज्यादा पीड़ादायक और क्या हो सकता है! समृद्ध परिवार होने के बावजूद घर के बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में जीवनयापन करने को विवश हैं। बहुत से मामलों में बच्चे ही उन्हें बोझ मानकर वृद्धाश्रमों में छोड़ आते देते हैं। हालांकि यह उम्र का ऐसा पड़ाव होता है, जब उन्हें परिजनों के अपनेपन, प्यार और सम्मान की सर्वाधिक जरूरत होती है। एक व्यक्ति जिस घर-परिवार को बनाने में अपनी पूरी जिंदगी खपा देता है, वृद्धावस्था में जब उसी घर में उसे अवांछित वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है तो लगता है जैसे उस घर में रहने वालों की इंसानियत और उनके संस्कार मर चुके हैं।

विश्वभर में ऐसे हालात को देखते हुए ही वृद्धजनों के लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई थी। इसीलिए वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा देते हुए 'सबके लिए स्वास्थ्य' अभियान का शुरू किया था। वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय,उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने 14 दिसंबर 1990 को निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष एक अक्तूबर का दिन दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाद एक अक्तूबर 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। बुजुर्गों के प्रति वैसे तो सभी के हृदय में हर पल, हर दिन सम्मान का भाव होना चाहिए लेकिन दिल में छिपे इस सम्मान को व्यक्त करने के लिए औपचारिक तौर पर यह दिन निश्चित किया गया। 1991 में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत के बाद वर्ष 1999 को पहली बार 'बुजुर्ग वर्ष' के रूप में भी मनाया गया था। इस वर्ष 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' 'स्थानीय और वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले वृद्धजन : हमारी आकांक्षाएं, हमारा कल्याण, हमारे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय लचीले और समतामूलक समाजों के निर्माण, अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को बढ़ावा देने तथा वृद्ध लोगों के अधिकारों और कल्याण को नीति और कार्रवाई का केंद्र बनाने में वृद्धों की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देता है।

भारतीय समाज में सयुंक्त परिवार को हमेशा से अहमियत दी गई है लेकिन आज के बदलते परिवेश में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। यही कारण है कि लोग अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी दादा-दादी,नाना-नानी के प्यार से वंचित होती जा रही है। एकल परिवार के बढ़ते चलन के कारण ही परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा होने लगी है। न चाहते हुए भी बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर हैं। इसका एक गंभीर परिणाम यह देखने को मिला है कि बुजुर्गों के प्रति अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। शहरों-महानगरों में आए दिन बुजुर्गों को निशाना बनाए जाने की खबरें दहला देती हैं। दूसरा गंभीर परिणाम यह कि बच्चों को बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनके जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार दादा-दादी या नाना-नानी के साथ रहने वाले बच्चों का विकास अकेले रहने वाले बच्चों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा और मजबूत होता है और ऐसे बच्चों में आत्मविश्वास भी अधिक देखने को मिला है। आज पति-पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं,ऐसे में बच्चे घर में अकेले रहते हैं और कम उम्र में ही उनमें अवसाद जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने हालांकि वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय नीति बनाई थी तथा उससे पहले वर्ष 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक भी संसद में पारित किया गया था, जिसमें माता-पिता के भरण-पोषण,वृद्धाश्रमों की स्थापना,चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद देशभर में वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस तथ्य को इंगित करती है कि भारतीय समाज में वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ समय पहले 96 देशों में कराए गए एक सर्वे के बाद 'ग्लोबल एज वॉच इंडेक्स' जारी किया गया था। उस सूचकांक के मुताबिक करीब 44 फीसदी बुजुर्गों का मानना था कि उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि 53 फीसदी बुजुर्गों का कहना था कि समाज उनके साथ भेदभाव करता है। भारतीय संस्कृति में जन्म देने वाली मां और पालन करने वाले पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है।

सदियों से मान्यता रही है कि जिन घरों में बुजुर्गों का सम्मान होता है,वे तीर्थस्थल से कम नहीं होते। ऐसे में वृद्धों के उत्पीड़न और उपेक्षा की घटनाएं बढ़ना गंभीर संकट का संकेत है। दरअसल वृद्धावस्था हर व्यक्ति के जीवन का एक पड़ाव है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं तो आने वाले समय में हमें भी अपने बच्चों से कोई अच्छी उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। वृद्धावस्था में बुजुर्ग शारीरिक रूप से शिथिल भी हो जाएं तो परिजनों का कर्त्तव्य है कि पूरे सम्मान के साथ उनका ध्यान रखा जाए। वृद्धावस्था में शारीरिक स्थिति में बदलव आना सामान्य बात है। बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप,मधुमेह, याद्दाश्त कमजोर पड़ने,भूलने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं लेकिन दवाओं के साथ-साथ परिजनों के अच्छे व्यवहार की मदद से ऐसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। आर्थिक समस्या से जूझते वृद्धों के लिए लगभग सभी पश्चिमी देशों में पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था है। भारत में भी वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा है लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा अकेलेपन की जो समस्या है,उसका इलाज नहीं है। यह अकेलापन वृद्धजनों को भीतर ही भीतर सालता रहता है। हालांकि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय निश्चित रूप से वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएगा और इससे देश में करीब साढ़े चार करोड़ परिवारों को लाभ होने की उम्मीद है लेकिन बुजुर्गों के मामले में कई बार चिंताजनक स्थिति यह होती है कि बीमारी के समय में भी सांत्वना देने वाला उनका कोई अपना उनके पास नहीं होता।

हालांकि आज कुछ ऐसी संस्थाएं हैं, जो एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे वृद्धों के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रही हैं लेकिन ये संस्थाएं भी अपनों की महसूस होती कमी की भरपाई तो नहीं कर सकती। बहरहाल, वृद्धजनों को अपने परिवार में भरपूर मान-सम्मान मिले,इसके लिए सामाजिक जागरूकता जैसी पहल की सख्त दरकार है ताकि वृद्धों के प्रति परिजनों की सोच सकारात्मक होने से बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम जैसे स्थानों की समाज में आवश्यकता ही महसूस नहीं हो।

वनस्पति आधारित स्वस्थ भोजन शैली

प्रमोद दीक्षित मलय

सम्पूर्ण विश्व में मानव के दैनंदिन भोजन में मांसाहार या शाकाहार व्यंजन होते हैं। अगर मनुष्य के दैहिक पोषण एवं ऊर्जा आवश्यकता पर दृष्टिपात करें तो शाकाहार से समुचित एवं पर्याप्त पोषण एवं ऊर्जा प्राप्त हो जाती है। मनुष्य के दांत-आंत एवं पाचन तंत्र की कार्य प्रणाली भी शाकाहार के अनुरूप है, हालांकि कुछ लोगों में मतांतर सम्भव है। किंतु सत्य यही है कि मानव का एकमात्र भोजन वनस्पति आधारित सामग्री ही है। हमारे लोकजीवन में एक प्राचीन कहावत है,जैसा खाये अन्न,वैसा होये मन्न,अर्थात् हम जैसा भोजन ग्रहण करेंगे वैसा ही हमारा मन बनता है। मन शरीर की अभौतिक इकाई है जो व्यक्ति के विचार,चिंतन, संस्कृति,स्मृति तथा कार्य-व्यवहार एवं आचरण को प्रभावित करती है,और तदनुरूप तर्क,वाद-विवाद एवं निर्णय हेतु बुद्धि को प्रेरित करती है। गर्भस्थ जीव में मन एवं बुद्धि होती है,जिसको पोषण मां द्वारा किये गये भोजन से मिलता है और तदनुरूप उसकी प्रवृत्ति बनती है। शाकाहार सात्विक भोजन ग्रहण करने से शिशु की मन-बुद्धि निर्मल एवं शुद्ध सात्विक बनती है। वीर बालक अभिमन्यु और भक्त प्रह्लाद के उदाहरण हमारे जीवंत मार्गदर्शक हैं,जिन्होंने गर्भकाल में ही शर-संधान शक्ति एवं भगवद्भक्ति का पाठ श्रवण कर आत्मसात कर लिया था। सनातन संस्कृति में शुद्ध सात्विक शाकाहार भोजन को आध्यात्मिक जागरण एवं साधना सिद्धि के लिए आवश्यक साधन कहा गया है। मां अन्नपूर्णा देवी की स्तुति करते हुए अन्न की भिक्षा की प्रार्थना की गई है- अन्नपूर्णे सदापूर्णे,शंकर प्राण वल्लभे,ज्ञान वैराग्य सिद्धि अर्थम्,भिक्षाम् देहि च पार्वती। श्रीमद्भगवद्गीता में यज्ञ हवन-समिधा हेतु शुद्ध अन्न का विधान वर्णित है। आयुर्वेदिक ग्रंथ शाकाहार की अनुशंसा एवं अनुसमर्थन करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास विरचित रामचरित मानस में तो पदे-पदे कंद-मूल,फल,शाक-पात से ही ऋषियों द्वारा प्रभु श्रीराम, जानकी एवं लक्ष्मण का स्वागत वंदन करने के दृश्य उल्लेखनीय हैं। स्पष्ट है,शाकाहार ही मनुष्य मात्र के लिए उचित,उपयोगी एवं उत्तम है। शाकाहार प्रत्येक व्यक्ति में करुणा,धैर्य,संयम,दृढता,मित्रता, वीरता, सत्साहस,उत्पन्न करता है,आंतरिक चेतना का जागरण कर आनंद प्रकट करता है। शाकाहार हृदय में अहिंसा,शांति,प्रेम,जीवों के प्रति दयाभाव, विनम्रता,प्रीति,सख्य एवं संस्कार-सहकार का सर्जन करता है। जीवन में मधुर रस का सिंचन कर मन प्रफुल्लित एवं प्रमुदित कर प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करता है। विश्व में दिनानुदिन शाकाहारी व्यक्तियों की वृद्धि परिचायक है कि विश्व अब शाकाहार की महत्ता को स्वीकार कर रहा है। इसीलिए प्रत्येक वर्ष अक्टूबर महीने को शाकाहार माह के रूप में मनाते हुए 1 अक्टूबर को विश्व शाकाहार दिवस का आयोजन किया जाता है। शाकाहार दिवस के आयोजन के माध्यम से शाकाहार से प्रभावित एवं प्रेरित होकर प्रति वर्ष हजारों व्यक्ति मांसाहार त्याग कर वनस्पति आधारित भोजन पद्धति स्वीकार कर रहे हैं। उत्तरी अमेरिकी शाकाहारी समुदाय की स्थापना 1 अक्टूबर, 1977 को हुई थी जो स्वस्थ जीवन शैली,नैतिकता, पर्यावरण संरक्षण,मानवीय लाभों तथा खुशियों की प्राप्ति एवं दयाभाव के प्रसार के लिए शाकाहार दिवस का आयोजन करता है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शाकाहार संघ ने 1978 में सहयोग एवं समर्थन देकर प्रभावी बना दिया। आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जोसेफ पुअर अपने अध्ययन में कहते हैं,शाकाहारी बनने से न केवल ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम होता है,बल्कि वैश्विक अम्लीकरण, सुपोषण, भूमि उपयोग और जल उपभोग की समस्या भी हल होती है। इतना ही नहीं,शाकाहार ओजोन परत की रक्षा कर पर्यावरण स्वस्थ रखता है। भारत विश्व का प्रमुख शाकाहारी देश है। राजस्थान में 80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या शाकाहारी हैं। हरिद्वार (उत्तराखंड) तथा पालीताना (गुजरात) शाकाहारी शहर के रूप में जाने जाते हैं। जैन धर्मावलंबी पूर्ण शाकाहारी होते हैं जो उनकी आध्यात्मिक जाग्रति के लिए परमावश्यक है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 6 प्रतिशत से अधिक लोग शाकाहार अपना चुके हैं। इजरायल, ब्रिटेन, ब्राजील में भी शाकाहार बढ़ रहा है। अत्यन्त शाकाहारियों का वर्ग वीगन तो पशु उत्पाद यथा दूध,दही,अंडा,चमड़ा,रेशम,ऊन,शहद तथा पशुओं के अंश से निर्मित सजावटी वस्तुएं एवं सौंदर्य उत्पादों का भी प्रयोग नहीं करते। वे केवल वनस्पति आधारित भोजन फल, फूल, कंद, सब्जी, अनाज,दालें,बीज आदि ग्रहण करते हैं। शाकाहार मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी एवं रोगमुक्ति में सहायक है। शाकाहार मोटापा नहीं बढ़ाता है तथा हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, रक्तचाप, स्मृति भ्रंश के खतरों को कम करता है। शाकाहार मृदा स्वास्थ्य एवं संरक्षण को बल देता है, मीठे जल एवं वनों का रक्षण करता है। वास्तव में शाकाहार जीवन शैली पशुओं के प्रति मानव को क्रूरता एवं शोषण से मुक्त करती है। पशुओं के प्रति प्रेम एवं आत्मीयता भाव का प्रसार करती है। पशु-पक्षी भी मानव एवं पेड़-पौधों के साथ प्रकृति के विशाल परिवार के अहम सदस्य हैं, यह भाव शाकाहार ही पुष्ट करता है। विश्व शाकाहार दिवस के माध्यम से मानव के दैनंदिन भोजन में शाकाहार को बढ़ावा देने का भाव है, साथ ही पशु-पक्षियों को बचाने की इच्छा भी है ताकि प्रकृति का संतुलन बना रहे। निश्चित रूप से प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन एवं सौंदर्य के लिए मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों का निर्भय जीवन आवश्यक है।

कविता

लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद (छ.ग.)

दशहरा का अर्थ

त्याग दो आज सारे कलुषित विचार।
नहीं होगा तुमसे कोई भी अत्याचार।।

विजयदशमी का पावन पर्व है आज।
सत्य सात्विक का करलो सब साज।।

रावण का करो निश्चित तौर पे दहन।
बेटियां सुरक्षित हो यह विचार हो गहन।।

रावण नही,मारते रावण का कुविचार।
ऐसा हो सबके चित मे एक सुविचार।।

कोनें मे यदि तिनका भर हो व्यभिचार।
निकाल फेक कर उस पर आज प्रहार।।

रावण नही,रावण आचरण को मारो।
नारी को वासना की शिकार से टारो।।

अपना हो या यदि कोई भी बन्धु पराया।
बराबर हो सब पर न्याय की छत्रछाया।।

छोटा हो बड़ा सबके लिए एक पतवार।
सबको मिले काज अनुरूप एक हार।।

गांव में विज्ञान : ग्रामीण जीवन में परिवर्तन के लिए एक नई रोशनी

विजय वर्मा

सदियों से ग्रामीण जीवन परंपरा, प्रकृति और पीढ़ियां-पीढ़ी के अनुभव द्वारा निर्देशित किया गया है। लेकिन आज विज्ञान गांवों में एक शांत और शक्तिशाली परिवर्तन शक्ति के रूप में उभरा है-नई आशा,अवसर और उज्जवल भविष्य।

कृषि: परंपरा से नवाचार तक : किसान अब अनुमान लगाने और मानसून की बारिश पर पूरी तरह निर्भर नहीं हैं। मृदा परीक्षण,ड्रिप सिंचाई,जैविक उर्वरक और उच्च उपज वाली फसलों की किस्मों जैसी वैज्ञानिक विधियां पर्यावरण की रक्षा करते हुए उत्पादकता बढ़ाने में मदद करती हैं। विज्ञान द्वारा संचालित मोबाइल एप्लिकेशन और मौसम पूर्वानुमान किसानों को बोने, पानी देने और फसल काटने के समय पर मार्गदर्शन करते हैं।

स्वास्थ्य और स्वच्छता: विज्ञान जीवन बचा रहा है : स्वास्थ्य शिविरों,टीकाकरण ड्राइव और किफायती नैदानिक उपकरणों ने गांव के दरवाजे पर स्वास्थ्य देखभाल को करीब लाया है। स्वच्छ पेयजल,स्वच्छता और संतुलित पोषण के बारे में जागरूकता-वैज्ञानिक समझ पर आधारित-ने उन बीमारियों को कम कर दिया है जो ग्रामीण समुदायों पर भारी शुल्क लेती थीं।

शिक्षा: नई क्षितिज खोलना : जब विज्ञान गांवों में स्कूल पहुंचता है,तो यह जिज्ञासा और रचनात्मकता को जन्म देता है। प्रयोग, मॉडल और डिजिटल कक्षाएं बच्चों को पाठ्यपुस्तकों से परे सीखने में मदद करती हैं,जिससे कई लोग इंजीनियर,डॉक्टर या शोधकर्ता बनने का सपना देखते हैं। विज्ञान मेलों और जागरूकता कार्यक्रम समुदायों को नवाचार का उपयोग करके स्थानीय समस्याओं का समाधान करने में भी सक्षम बनाते हैं।

ऊर्जा और पर्यावरण: मार्ग प्रकाश : छतों पर सौर पैनल, घरों में बायोगैस प्लांट और ऊर्जा कुशल स्टोव न केवल लागत कम कर रहे हैं बल्कि प्रदूषण भी कम कर रहा है। विज्ञान ने गांवों को नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान की है, जिससे घरों में प्रकाश, सिंचाई के लिए बिजली और बाहरी दुनिया से संपर्क सुनिश्चित हो गया है।

विज्ञान के माध्यम से महिला सशक्तिकरण : खाद्य प्रसंस्करण और पैकेजिंग के वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करने वाले स्व-सहायता समूहों से लेकर छोटे व्यवसायों के लिए डिजिटल कौशल सीखने वाली महिलाओं तक, विज्ञान गांवों में महिलाओं को उद्यमी और नेता बनने की शक्ति प्रदान कर रहा है।

सतत विकास का मार्ग : गांवों में विज्ञान परंपराओं की जगह लेने के बारे में नहीं है-यह ज्ञान को आधुनिक नवाचार से जोड़ने के बारे में है। वैज्ञानिक उपकरणों को अपनाते हुए सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान करके ग्रामीण जीवन स्वस्थ,समृद्ध और भविष्य के लिए तैयार हो रहा है। मूलतः विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और आविष्कारों के बारे में नहीं है-यह परिवर्तन की एक नई रोशनी है जो ग्रामीण जीवन को बढ़ा सकती है, जिससे गांव आत्मनिर्भर, टिकाऊ और मजबूत बन सकते हैं।

बिहार में निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे हैं युवा वोटर

संजय सक्सेना
लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा पांच अक्टूबर के बाद किसी भी समय संभव है। वर्तमान में पूरे राज्य में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। राजनीतिक दलों के बीच बैठकों, रैलियों और रणनीति को लेकर हलचल जमी हुई है। गांव-शहर से लेकर चौपाल,बाजार और चौक-चौराहे तक सिर्फ चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार की राजनीतिक परिस्थितियां कई बड़े बदलावों से गुजरी हैं,जिससे इस बार का चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है। खासतौर पर सामाजिक समीकरण,गठबंधन की राजनीति,नेतृत्व का चेहरा और राज्य की मूलभूत समस्याओं के आधार पर माहौल काफी संवेदनशील और गतिशील है।

इस बार चुनाव में जनता के रुझान में स्पष्ट रूप से विभाजन दिख रहा है। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष चुनाव को विकास,बिरादरी संतुलन और सामाजिक न्याय के नाम पर दांव पर लगा रहा है, वहीं विपक्ष महंगाई,बेरोजगारी,भ्रष्टाचार,किसान और शिक्षा व्यवस्था को चुनावी मुद्दा बना रहा है। राज्य के युवा वर्ग में रोजगार के सीमित अवसरों को लेकर व्यापक असंतोष है। सरकारी भर्तियों में देरी,संविदा व अस्थायी नियुक्तियों और प्रवासी मजदूरों की समस्याएं चुनाव का स्वरूप बड़ी हद तक तय करेंगी। राजनीतिक दलों की अगर बात करें, तो वर्तमान सरकार गठबंधन के नेतृत्व में है, जिसमें कुछ पुराने और कुछ नए साथी एक साथ आए हैं। विपक्ष में भी महागठबंधन की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत लग रही है,जिसमें जातीय समीकरण और नेतृत्व क्षमता दोनों को संतुलित रखने का प्रयास किया जा रहा है। सत्ता समर्थक अपने शासनकाल की उपलब्धियां,सड़क-बिजली-पानी के सुधार और कानून-व्यवस्था के मामलों को प्रमुखता से जनता के सामने गिनवा रहे हैं। वहीं विपक्ष राज्य में बढ़ती महंगाई,किसान ऋण और सरकारी नौकरियों की कमी को अपना अभियान बना रहा है। इस बार चुनाव की सबसे बड़ी चुनौती युवाओं की भूमिका को लेकर है। बड़ी संख्या में नौजवान वोटर राज्य की सामाजिक-आर्थिक सच्चाइयों को लेकर जागरूक हैं। शिक्षा,रोजगार,पलायन,तकनीकी विकास और सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता के मुद्दे उनके एजेंडे में सबसे ऊपर हैं। शहरी व ग्रामीण इलाकों में आर्थिक असमानता और महिलाओं की सुरक्षा के प्रश्न फिर से चर्चा में लौट आए हैं। किसान भी चुनावी समीकरण के महत्वपूर्ण घटक होंगे। वर्षा और बाढ़,फसल बीमा, समर्थन मूल्य और कृषि विपणन की स्वायत्तता जैसे मुद्दे राज्य के गांवों तक गूंजते हुए नजर आ रहे हैं। महिला मतदाता इस बार भी अपने बजाय अधिक मुखर और जागरूक बनी हुई हैं। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण, आरक्षण और कल्याण योजनाओं का कितना असर पड़ेगा, यह मतदान की दिशा तय करने में अहम होगा।

राज्य के कुछ इलाकों में जातीय तनाव या सामाजिक असंतोष भी देखने को मिला है,जिसको लेकर कई दल क्षेत्रीय और जातीय संगठनों से गठजोड़ कर रहे हैं। अपराध दर,न्यायिक प्रक्रिया में देरी और जनता के बीच शासन-प्रशासन के चेहरे को लेकर भी

संशय बना हुआ है। बिहार के गांवों में आज भी साख नेता की ही निर्णायक हो जाती है। मजदूर हो,किसान हो,या छोटे व्यापारी,उनका समर्थन जीतना हर दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस बीच नए युवा चेहरे, सिनेमा, सोशल मीडिया और जमीनी रिपोर्टिंग ने भी मतदाता के सोच को प्रभावित किया है। जनता का मिजाज देखें तो इस बार वह किसी भी तरह के बहकावे या भावनात्मक शिगूफे से दूर, ठोस सवालों के जवाब तलाश रही है। राजनीतिक वादों की विश्वसनीयता, परिवारवाद,भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता बदलाव चाहती है या चल रहे योजनाओं को ही आगे बढ़ाना चाहती है, इसका जवाब परिणाम में ही दिखेगा। अब रही बात निर्वाचन आयोग द्वारा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, झारखंड सहित सात राज्यों की खाली आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की,तो आयोग के पास संवैधानिक अधिकार है कि वह लंबित या रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा कर सकता है। हालांकि इसका निर्णय अक्सर राज्यों की स्थिति,राजनीतिक परिस्थिति,सुरक्षा हालात और न्यायिक प्रक्रियाओं के हिसाब से लिया जाता है। सूत्रों के अनुसार,आयोग लगातार इन राज्यों से रिपोर्ट ले रहा है और जल्द ही उपचुनाव की तिथि तय कर सकता है। चुनाव आयोग के उच्च सूत्रों का कहना है कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद ही इन उपचुनावों की घोषणा भी संभव है, ताकि सभी राज्यों में चुनावी व्यवस्था सुचारू रूप से हो सके। कुल मिलाकर बिहार का चुनावी माहौल बढ़ते राजनीतिक तनाव, सामाजिक बदलाव, और आर्थिक चुनौतियों से घिरा है। मतदाता इस बार कई स्तरों पर सोच-समझकर मतदान करेंगे, जिनमें आर्थिक विकास, रोजगार,महिला सशक्तिकरण, जातीय समीकरण, शिक्षा, और सुरक्षा मुख्य स्वरूप में निर्णायक बन सकते हैं। चुनाव आयोग की घोषणा और सभी दलों की अंतिम रणनीति चुनावी तस्वीर को पूरी तरह से साफ करेगी।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी पर जिला कांग्रेस कमेटी ने एफआईआर दर्ज करवाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता पिंटू महादेवन के द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी पर 29 सितंबर को जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा पूर्व महापौर डॉ अजय तिर्की के नेतृत्व में थाना अम्बिकापुर में एफआईआर दर्ज करने को लेकर आवेदन दिया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव के निर्देश पर अम्बिकापुर कोतवाली में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आवेदन दिये जाने के उपरांत आज सरगुजा जिले की सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों ने भी इस मामले में अपने क्षेत्र से संबंधित थानों में FIR के लिये आवेदन दिया है। पिंटू महादेवन केरल राज्य में भाजपा के प्रवक्ता की हैसियत से टीवी डिबेट में हिस्सा लेता है। वो पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छात्र संगठन आखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का केरल राज्य का अध्यक्ष रहा है। नेपाल में हुए प्रदर्शन पर एक मलयाली चैनल के डिबेट में उसने विवादास्पद टिप्पणी करते हुए राहुल गांधी के सीने को गोलियों से चीरने की बात कही थी।

उसने कहा था कि नेपाल जैसे प्रदर्शन भारत में संभव नहीं है, क्योंकि देश मोदीजी के साथ खड़ा है,अगर राहुल गांधी ने सपने में भी ऐसा सोचा तो उसका सीना गोलियां से चिर दिया जाएगा। टीवी डिबेट में खुलेआम दी गई इस धमकी से कांग्रेस में व्यापक आक्रोश के साथ ही राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्याप्त है। पूर्व में भी राहुल गांधी की दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके पिता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आतंकवादी हमलों में हत्या हो चुकि है। अब भाजपा प्रवक्ता की यह धमकी खुलेआम उकसाने की बात है। भाजपा के द्वारा अभी तक अपने इस प्रवक्ता के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं कि गई है। इस दौरान पूर्व महापौर डॉ अजय तिर्की ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता का बयान यह प्रदर्शित करता है कि वे लोकतांत्रिक प्रतिरोध को बर्दाश्त नहीं कर सकते,और साम-दाम-दंड-भेद से लोकतांत्रिक प्रतिरोध के दमन का प्रयास करते हैं। इस दौरान उनके साथ इंद्रजीत धंजल,अनूप मेहता, जमील खान, वेद प्रकाश शर्मा, निकी खान,मो इमरान, दिनेश शर्मा, आशीष शील,जमशेर खान सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा भाजपा आपराधिक और आतंकी मानसिकता को शरण दे रही है। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने भी ट्वीट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रवक्ता ने लाइव टीवी पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी को हत्या की धमकी दी। यह अक्षम्य और कानूनन अपराध है। यह सिर्फ़ किसी नेता के खिलाफ़ नहीं, बल्कि किसी भी नागरिक के खिलाफ़ हो तो भी ऐसा कहना अपराध ही है। लोकतंत्र में राजनीतिक असहमतियों पर बातचीत संविधान और शांति के दायरे में होनी चाहिए। हिंसा और हिंसक भाषा की कोई जगह नहीं।ऐसे बयान दिखाते हैं कि राहुल गांधी जी की निर्भीक लड़ाई से भाजपा-आरएसएस बुरी तरह घबरा गए हैं और उनका असली चेहरा सामने आ रहा है। मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूँ और भाजपा अध्यक्ष नड्डा जी से मांग करता हूँ कि दोषी पर तुरंत और सख्त कार्रवाई करें। अगर ऐसा नहीं होता तो यह साफ़ है कि भाजपा अपराधियों और आतंकी मानसिकता को शरण दे रही है।

राजपुर थाना में ग्राम चौकीदारों की बैठक सम्पन्न अपराध रोकथाम व सूचना आदान-प्रदान पर दिया गया जोर

-संवाददाता-
बलरामपुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना परिसर में दिनांक 30 सितम्बर 2025 को ग्राम चौकीदारों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में क्षेत्र के सभी ग्राम चौकीदार उपस्थित रहे। सम्मेलन में आय चौकीदारों को समझाइश देते हुए थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारियों ने ग्राम चौकीदारों को कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत बनाने तथा गांव-गांव की जानकारी पुलिस तक समय पर पहुँचाने के संबंध में विशेष तौर पर निर्देश दिए गए। थाना परिसर में आयोजित बैठक में ग्राम चौकीदारों को थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह ने समझाइश दी कि प्रत्येक चौकीदार महीने में कम से कम एक दिन थाना उपस्थित होकर अपने-अपने गांव की स्थिति से अवगत कराएंगे। इसके साथ ही चौकीदारों को यह भी बताया गया कि वे अपने क्षेत्र में होने वाली सभी गतिविधियों पर सतर्क नजर रखें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध घटना या गतिविधि की सूचना तत्काल थाना को दें। ग्राम में आय बाहरी व्यक्तियों पर गतिविधियों की जानकारी थाने में अवगत कराए, बैठक में उन्हें विशेष रूप से यह निर्देश दिए गए कि गांव में यदि कोई बाहरी व्यक्ति आता है, घुमंतू-फिरंतू लोग रुकते हैं, फेरी वाले या कबाड़ बीनने वाले आते हैं, या कोई संदिग्ध साधु-बाबा घूमते

नजर आते हैं तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही यदि गांव में जबरन जमीन कब्जा करने की कोशिश की जाती है, या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि होती है तो उस पर नजर रखकर समय पर सूचना थाना तक पहुँचाएं। ग्राम चौकीदारों को यह भी निर्देशित किया गया कि गांव में अचानक होने वाली दुर्घटनाओं जैसे फांसी लगाकर आत्महत्या, पानी में डूबने से मृत्यु, बिजली गिरने से हताहत होना, सांप काटने से मौत या सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति में तत्काल मोबाइल फोन से या स्वयं थाना पहुँचकर पुलिस को जानकारी दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। थाना प्रभारी ने कहा कि ग्राम चौकीदार पुलिस और ग्रामीणों के बीच की अहम कड़ी हैं। गांव-गांव की छोटी-छोटी सूचनाओं से ही अपराध पर नियंत्रण पाया जा सकता है और किसी भी घटना को समय रहते रोका जा सकता है।

सरगुजा जिले के कुल 73 प्रकरणों मे जप्त मादक पदार्थों का जिला स्तरीय समिति द्वारा नियमानुसार नष्टीकरण किया गया

- मादक पदार्थ गांजा 439.544 किलोग्राम,इंजेक्शन 7435 नग,टेबलेट 2414 नग,कैप्सूल 11070,कफ सिरफ 898 नग कों विधिवत किया गया नष्ट...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा कुल 73 प्रकरणों मे जप्त मादक पदार्थों के नष्टीकरण की प्रक्रिया इंद्रा पावर जैन प्राइवेट लिमिटेड नयनपुर गिरवरगंज जिला सूरजपुर मे विधिपूर्वक संपन्न किया गया,उक्त कार्यवाही जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति के मार्गदर्शन में की गई।नष्टीकरण कार्यवाही में एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत जप्त मादक पदार्थों का निपटान किया गया। कुल 73 प्रकरणों मे जप्त मादक पदार्थ गांजा 439.544 किलोग्राम, इंजेक्शन 7435 नग, टेबलेट 2414 नग,कैप्सूल 11070, कफ सिरफ 898 नग कों विधिवत नष्ट किया गया, नष्टीकरण कार्यवाही समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) अन्य सदस्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री लक्ष्मीकान्त गायकवाड़ एवं पर्यावरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियो

उपस्थिति मे संपन्न हुई,नष्टीकरण कार्यवाही की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी की गई है।कार्यवाही से पूर्व समस्त प्रकरणों की विस्तृत सूची एवं आवश्यक दस्तावेजों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया तथा नष्टीकरण की सूचना संबंधित विभागों एवं माननीय न्यायालय को अग्रिम रूप से दी गई हैं,नष्टीकरण कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक गंभीर साय, प्रधान आरक्षक अनिल तिर्की, आरक्षक अजय यादव उपस्थित रहे।

भाजपा सरगुजा जिला पदाधिकारियों की घोषणा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भाजपा सरगुजा जिला पदाधिकारियों की घोषणा नव नियुक्त पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी,संगठन में नई ऊर्जा का संचार सेवा, समर्पण और अनुशासन से संगठन को नई दिशा देंगे सभी पदाधिकारी-भारत सिंह सिसोदिया भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के माननीय प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति तथा भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अनुशंसा से सरगुजा जिला भाजपा पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। घोषित पदाधिकारी में उपाध्यक्ष-दिनेश साहू, मधुसूदन शुक्ला,चौंकि यादव, विकास पाण्डेय, मधु चौरसिया, इंदर भगत, महामंत्री - बिनोद तिवारी, अरुणा सिंह, मंत्री - रजनीश पाण्डेय, वैभव सिंह देव, रणधीर राम, नीलू त्रिपाठी, पूनम टेकाम, सुनीता राजवाड़े, कोषाध्यक्ष - निश्चल प्रताप सिंह, सह कोषाध्यक्ष - सचिन अग्रवाल, प्रवक्ता - अजय सिंह (बबलू), संवाद प्रमुख - रूपेश दुबे, सह संवाद प्रमुख - धनंजय मिश्र, जतिन परमार, कार्यालय प्रभारी - अनिल जायसवाल, सह कार्यालय प्रभारी - संतोष बिहाई, रामप्रवेश पाण्डेय, पुस्तकालय प्रभारी - विवेक दुबे, सोशल मीडिया प्रभारी - विकास वर्मा (रिंकु), सोशल मीडिया सह प्रभारी - रविशंकर जायसवाल हैं।

सरगुजा के मजदूर की बैंगलोर में हुई मृत्यु,बैंगलोर से शव सरगुजा लाने परिजन से परेशान,विधायक ने की मदद

बैंगलोर संपर्क कर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने रायपुर तक मंगवाया शव,रायपुर से शव पहुंचा अंबिकापुर

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर विकासखंड के हरिहरपुर करजी ग्राम का मजदूर आलोक तिग्गा पिता रामजीत तिग्गा बैंगलोर के एक फैक्ट्री में अपने साथियों के साथ मजदूरी करता था जिसने अज्ञात कारणों से बैंगलोर में फैक्ट्री के ही मजदूर आवास में 24 सितंबर 2025 को फांसी लगा ली थी का शव अंबिकापुर गृह ग्राम लाने परिजन निराश थे और इधर उधर वह प्रयास कर रहे थे तभी इस मामले की जानकारी लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज को हुई और उन्होंने बैंगलोर के उच्च अधिकारियों से संपर्क किया और फिर मजदूर का शव रायपुर तक लाया जा सका,बताया जा रहा है कि लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने मामले में सक्रियता दिखाई और परिजनों को इस दुख के समय उन्होंने सभी अन्य सहायता प्रदान करने का भी आश्वासन प्रदान किया। मामले को लेकर बताया जाता है कि आलोक तिग्गा बैंगलोर में रहकर मजदूरी करता था और उसके अन्य साथी भी वहीं उसके साथ काम करते थे और वहीं फैक्ट्री के मजदूर आवास में रहते थे,मजदूर के परिजन अंबिकापुर के ग्राम हरिहरपुर करजी में ही निवास करते हैं और उनकी माली हालत सही नहीं है,विधायक प्रबोध मिंज के प्रयासों से मृतक का अंतिम संस्कार गृह ग्राम में 27 सितंबर को हो सका।

मृतक के अंतिम संस्कार में स्वयं लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज मौजूद रहे और उन्होंने इस दौरान परिजनों को हिम्मत से काम लेने को कहा। प्रबोध मिंज की इस तत्परता की सराहना हो रही है और मृतक के परिजन भी विधायक के प्रयासों से इस दुख की घड़ी में आत्मबल महसूस कर रहे हैं। विधायक प्रबोध मिंज ने इस मामले में बताया कि जनप्रतिनिधि होने के नाते यह उनका कर्तव्य है प्रमुख दायित्व है कि कोई भी व्यक्ति सुख या दुख में उन्हें अपने साथ खड़ा महसूस करे और उनका साथ उसे

मिल सके,उन्होंने यह भी कहा कि ईश्वर मृतक के परिजनों को आत्मबल प्रदान करें और अपने प्रयासों को लेकर उन्होंने इसे अपनी जिम्मेदारी बताया।

हत्या के मामले मे आरोपी गिरफ्तार,थाना बतौली पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रार्थी उप कुमार साकिन सेदम थाना बतौली का दिनाक 30/09/25 को थाना बतौली आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी सेदम का रहने वाला हूं खेती किसानी का काम करता है, कि प्रार्थी लोग तीन बहन दो भाई हैं माता पिता एवं भाई बहन सभी लोग एक ही घर में रहते हैं। प्रार्थी दिनांक 29/09/25 को मजदुरी करने सेदम तेलिया पारा गया था शाम को करीब 6.00 बजे घर वापस आया तो देखा कि प्रार्थी की मां तिजो बाई जमीन में पड़ी है

पिता शनी राम एवं बहन घर में किनारे तरफ बैठे थे मां को देखा तो सांस नहीं चल रहा था पिता एवं बहन बतायी कि बड़ा भाई सुखन साय मां से शराब पीने के लिये पैसा मांग रहा था जो पैसा नहीं है बोलने पर प्रार्थी का भाई सुखन साय मां को लकड़ी का डण्डा से मारपीट किया है एवं जब पिता जी शनी राम मंझवार बीच बचाव किये तो सुखन साय पिता जी को भी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते लकड़ी की डण्डा से मारपीट किया है,जो चल नहीं पा रहें हैं प्रार्थी की मां तिजो बाई को प्रार्थी का बड़ा भाई सुखन साथ शराब पीने के लिये पैसा मांगने और पैसा नहीं है बोलने पर लकड़ी के डंडा से मारपीट कर गंभीर चोट कारित करने से हत्या की घटना कारित किया गया है, घटना को प्रार्थी के पिता शनी राम एवं बहन देखे सुने हैं। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बतौली मे अपराध क्रमांक 89/25 धारा 103(1), 296, 351(3), 115(2) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौराना विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मृतिका के परिजनों का कथन लेख कर मामले के आरोपी सुखाने साय को पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम सुखन साय आत्मज शनी राम उम्र 27 वर्ष साकिन सेदम थाना बतौली का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त डंडा जप्त किया गया है, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी बतौली उप निरीक्षक सी. पी. तिवारी, सहायक उप निरीक्षक संजय गुप्ता, प्रधान आरक्षक अनूप कुजूर, महिला आरक्षक मेरी क्लोरेट तिर्की, आरक्षक राजेश खलखो, राजू कुजूर, जोगी बड़ा, नवीन खलखो, संतोष बरवा, प्रदीप तिर्की, सैनिक रामभरोस तिर्की, गजानंद सिंह सक्रिय रहे।

हेलमेट सुरक्षा पर पुलिस का विशेष जागरूकता अभियान,एक अक्टूबर से लागू होगा 'नो हेलमेट-नो पेट्रोल' नियम...इससे पहले पुलिस प्रशासन ने आयोजित की जागरूकता रैली

-संवाददाता-
शंकरगढ़,30 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ नगर में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस और प्रशासन की टीम ने मिलकर सोमवार को बलरामपुर एसपी वैभव बैंकर और कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देश पर आज दिनांक 29.09.2025 को एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत पुलिस एवं सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी,सभी पार्टी के जनप्रतिनिधि /कार्यकर्ता,पत्रकार और स्थानीय लोग एकजुट होकर दुपहिया वाहनों पर हेलमेट पहनकर रैली के रूप में नगर भ्रमण पर निकले। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को यह संदेश देना था कि सड़क पर चलते समय हेलमेट न केवल कानूनी बाध्यता है बल्कि जीवन रक्षा का सबसे बड़ा साधन भी है। कार्यक्रम की शुरुआत थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में स्थानीय रेस्ट हाउस परिसर से हुई। जहां जनपद पंचायत शंकरगढ़ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सदस्यो के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। जो नगर के मुख्य मार्गो से होकर गुजरी और हाट बाजार के पास जाकर सभा के साथ यह संपन्न हुई। रैली में भाग लेने वाले सभी हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन से निकले ताकि लोग प्रेरित हों और यह संदेश स्पष्ट रूप से समाज तक पहुंचे कि सुरक्षा से बड़ा कोई विकल्प नहीं है। इस मौके पर एसडीएम अनमोल विवेक टोप्पो एवं एसडीओपी इमानुएल लकड़ा ने बताया कि 1 अक्टूबर से जिले भर में 'नो हेलमेट-नो पेट्रोल' अभियान

शुरू किया जाएगा। इसका अर्थ है कि यदि कोई भी दुपहिया चालक बिना हेलमेट पेट्रोल पंप पर पहुंचेगा तो उसे पेट्रोल उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। इस नियम का कड़ाई से पालन कराने के लिए प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने के कारण सड़क दुर्घटनाये ज्यादा होती है जिसमें सबसे अधिक जानमाल का नुकसान दुर्घटना के समय दुपहिया वाहन चालकों और उसमें पीछे बैठे व्यक्तियों का हेलमेट नहीं पहनने के कारण होता है। चूंकि हेलमेट पहनने से सिर पर लगने वाली गंभीर चोटों से काफी हद तक बचाव संभव है। इसलिए लगातार सड़क हादसों के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि हेलमेट न पहनने की लापरवाही जानलेवा साबित होती है। इसलिए पुलिस ने इसे एक जन आंदोलन का रूप देने का निर्णय लिया है। जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। आमतौर पर लोग पुलिस की कार्रवाई से डरकर नियमों का पालन करते हैं,लेकिन जागरूकता से उनमें खुद जिम्मेदारी का भाव पैदा होता है। इस अभियान के दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को भी पांपलेट वितरित किए गए, जिनमें हेलमेट पहनने के फायदे, नशे में वाहन चलाने से होने वाले नुकसान, सड़क सुरक्षा नियम और दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही लोगों को यह भी समझाया गया कि हेलमेट केवल चालकों के लिए ही नहीं बल्कि पीछे बैठने वाले सवारियों के लिए भी अनिवार्य है। नगर में आयोजित यह अभियान न केवल एक औपचारिकता था बल्कि एक सामाजिक संदेश भी। पुलिस विभाग ने स्पष्ट कर दिया कि सड़क पर सुरक्षा नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आने वाले दिनों में इसका सीधा असर देखने को मिलेगा जब पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट वाले चालकों को पेट्रोल नहीं मिलेगा अंत में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं,पत्रकारों ने हॉट बाजार शंकरगढ़ में नागरिकों से अपील की कि वे शराब पीकर वाहन न चलाएं और वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करते हुए अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। हर व्यक्ति स्वयं जिम्मेदारी ले और परिवार व समाज को भी प्रेरित करे, तभी सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इसमें खास बात यह रही है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के जनप्रतिनिधि और नेताओं ने भी पुलिस का भरपूर सहयोग इस कार्यक्रम के लिए किया। इस दौरान एसडीओपी इमानुएल लकड़ा, एसडीएम अनमोल विवेक टोप्पो, थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल सहित थाने के सभी पुलिसकर्मी,नयाब तहसीलदार गजराज सिंह, जनपद सीईओ वेद प्रकाश पांडे सहित सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी ग्राम पंचायत के सचिव भी मौजूद रहे,इसके साथ ही भाजपा की तरफ से मंडल अध्यक्ष विवेक जायसवाल,राजेश अग्रवाल,आशीष केसरी ,मोनू अग्रवाल सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे,वहीं कांग्रेस पार्टी की तरफ से जिला अध्यक्ष केपी सिंह देव,विवेक सिंह देव ,विजय पैकरा सहित अन्य कांग्रेसी साथ ही पत्रकार घनश्याम सोनी,मुकेश सिंह,अब्दुल्लाहअंसारी,नीरज अग्रवाल,संदीप कश्यप,रविंद्र गुप्ता भी मौजूद रहे साथ ही साथ भारी संख्या में शंकरगढ़ क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

कार दिलाने के नाम पर 48 लाख रुपये की ठगी कारित करने के मामले मे आरोपी गिरफ्तार

थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मामले के संबंध में प्रार्थी डॉ अभिजीत जैन साकिन चोपडापारा अंबिकापुर द्वारा दिनांक 29/07/24 को थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि जैद जाफर खान एवं अन्य कांदिवली (ईस्ट) मुम्बई में पुरानी गाडीयों की खरीद बिक्री का काम करता है, प्रार्थी के जान पहचाँन एवं साथी डॉ द्वारा भी जैद जाफर खान से एक मर्सीडीज कार लिया गया था,जिसे देखकर प्रार्थी को जैद जाफर खान से कार खरीदने का मन हुआ था, साथी डॉ के माध्यम से जैद जाफर खान का मोबाइल नम्बर लेकर एक मर्सीडीज कार का सौदा अडतालिस लाख 48 रूपये में तय किया गया,जो आरोपी द्वारा प्रार्थी से पहली किस्तों मे 14 लाख 50 हजार रुपये लेकर माह अगस्त 2020 में पसंद किये गए कार में कुछ दस्तावेजी काम शेष होने की बात बोलकर अनावेदक को दूसरी कार ड्राइवर के माध्यम से भेज दिया गया और शेष रकम 33 लाख 50 हजार रूपये को नगद देने की बात बोला, और भेजा हुए कार को वर्तमान के लिए चलाते रहने को की बात बोला गया, तब प्रार्थी 17

लाख 50 हजार रूपये ड्राईवर को देकर कार को रख लिए कि उसके पश्चात प्रार्थी द्वारा अनावेदक को लगातार अपने पसंद की कार को भेजने के लिए बात बोलने पर बचत पेमेंट खाता मे डालने के लिए बोला गया तो प्रार्थी द्वारा 11 लाख रूपये खाता में डाल दिया गया कि अनावेदक जैद जाफर खान स्वयं दिनांक 07/02/21 को अम्बिकापुर आकर चलाने के लिए दिया गया कार को तथा नगदी रकम 05 लाख रूपये लेकर प्रार्थी के पसंद का कार वापस ड्राईवर से भेजने की बात बोलकर मौक़े से चला गया कि आज दिनांक तक आरोपी कार नहीं भेजा है और हमेशा बहाना करते रहता है, अभी दो तीन माह से प्रार्थी का फोन भी उठाना बंद कर दिया हैं। जैद जाफर खान एवं अन्य प्रार्थी से कुल 48 लाख रूपये लेकर धोखाधड़ी कारित किये है,मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 513/24 धारा 420, 34 भा. द. वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी का कथन लेख कर मामले के आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था,पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी जैद जाफर खान को हिरासत मे लेकर पूछताछ किया गया,जो आरोपी द्वारा अपना नाम जैद जाफर खान आत्मज जफ़र खान उम्र 28 वर्ष साकिन हिल पार्क जागेश्वरी वेस्ट मुंबई महाराष्ट्र का होंना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया,आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, मामले मे अन्य आरोपी फरार है जिसका पता तलाश किया जा रहा है, आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायगा। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार,सहायक उप निरीक्षक अभिषेक दुबे,प्रधान आरक्षक सुधीर सिंह,आरक्षक अतुल शर्मा सक्रिय रहे।

सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत साहित्यकार सम्मान समारोह व कवि सम्मेलन गरिमामय संपन्न

अपनी लेखनी से समाज में परिवर्तन व क्रांति लाने वाले रचनाकारों का कोटि-कोटि अभिनंदन : भारत सिंह

साहित्यकार समाज का दर्पण होता है जो समाज को दिशा दिखाता है : चिंतामणी महाराज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भाजपा के सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत साहित्यकार सम्मान व कवि सम्मेलन का आयोजन स्थानीय भारतेंदु भवन में सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह के आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज ने साहित्यकारों का सम्मान करते हुए कहा कि साहित्यकार समाज का दर्पण होता है जो समाज को दिशा दिखाता है। जिले व नगर के मूर्धन्य साहित्यकारों का सम्मान कर आज मैं भी स्वयं गौरवांवित हूं।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, बुद्धिजीवी सम्मेलन सहित जनता से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें साहित्यकारों का सम्मान कार्यक्रम भी एक कड़ी है। अपनी लेखनी से समाज में परिवर्तन व क्रांति लाने वाले आप सभी रचनाकारों का मैं भाजपा परिवार की ओर से कोटि कोटि अभिनंदन करता हूँ। इस अवसर पर

भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि साहित्य और समाज एक दूसरे के पूरक हैं, बिना साहित्य के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष व सेवा पखवाड़ा अभियान के प्रभारी विनोद हर्ष ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो हमेशा साहित्यकारों को सम्मानित व प्रतिष्ठित कर उनका मान-सम्मान बढ़ाती है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला संवाद प्रमुख संतोष दास सरल ने तथा आभार प्रदर्शन हिन्दी साहित्य परिषद सचिव कवि अंचल सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में जिले व नगर के कई वरिष्ठ साहित्यकारों के साथ-साथ उभरते युवा कवियों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया जिनमें देवेन्द्र नाथ दुबे, डॉ सपन सिन्हा, राजेश पांडे अब्र, डॉ योगेन्द्र सिंह गहरवार, रंजीत सारथी, राजेश तिवारी, श्रीमती संध्या सिंह, एसपी जयसवाल, डॉ सुधीर पाठक, विनोद तिवारी, प्रताप पांडे, कृष्ण कांत पाठक, श्रीमती गीता दुबे, श्रीमती पूनम दुबे, श्रीमती मनसा शुक्ला, श्रीमती अनिता मन्दिलवार, श्रीमती राज लक्ष्मी पांडे, श्रीमती माधुरी जयसवाल, श्रीमती पूनम पांडे, श्रीमती सीमा तिवारी, श्रीमती अंजू पांडे, राजेन्द्र विश्वकर्मा, मुकुंद लाल साहू, रविन्द्र तिवारी, जय गुप्ता, चंद्र भूषण मिश्रा, शिशुपाल गुप्ता, आर एल विश्वकर्मा, अजय श्रीवास्तव, आकाश द्विवेदी, आंचल गुप्ता, सौम्या सोनी, सेजल सिंह, विकेश गुप्ता तथा अतुल चौबे प्रमुख थे। कार्यक्रम के दौरान साहित्यकार डॉ अंचल सिन्हा व संस्कृति श्रीवास्तव द्वारा लिखित पंचतंत्र के सरगुजिहा अनुवाद पुस्तक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान साहित्यकार एसपी जयसवाल द्वारा सरगुजिहा भाषा में रचित पुस्तक सीता दाई का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केशरी, वरिष्ठ पार्षद आलोक दुबे, मनीष सिंह, जन्मेजय मिश्रा, नीलेश सिंह, विकास पांडे, गोल्डी बिहाड़े, मधु चौदाहा, शैलेश सिंह, निश्चल प्रताप सिंह, रविन्द्र गुप्त भारती, रूपेश दुबे, दिनेश शुक्ला, मार्कण्डेय तिवारी, अभिषेक सिंह देव,सर्वेश तिवारी,मयंक जयसवाल, जतिन परमार तथा रवि विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

13 लाख की चोरी, बिजली गुल कर SECL कर्मी के घर घुसे चोर

-संवाददाता-
कोरबा,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में रिटायर्ड SECL कर्मी के घर से 13 लाख की चोरी हुई है। 3 अज्ञात चोर धारदार हथियार से ताला तोड़कर घर में घुसे। पहले उन्होंने लाइट बंद किया, फिर उनमें से एक युवक ने अपनी शर्ट उतारी और घर के बाहर लगे CCTV कैमरे को कपड़े से ढक दिया। मामला मानिकपुरी चौकी क्षेत्र का है। ये पूरी वारदात CCTV में कैद हो गई। कैमरे को ढकने के बाद चोरों ने अलमारी में रखे गहने-पैसे चुरा लिए। घटना के समय रिटायर्ड कर्मी बच्चों के पास पुणे गए हुए थे। घटना के 22 दिन बाद भी चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इसके अलावा जिले में क्राइम की 2 और घटनाएं सामने आई। मोबाइल दुकान में भी चोरी हुई है। वहीं, नवरात्रि पर्व पर पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से हमला कर मारपीट की गई। घटना 7 सितंबर की रात मानिकपुर चौकी क्षेत्र के साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड डीएवी स्कूल के सामने क्वार्टर नंबर सी-54 में हुई। यहां सेवानिवृत्त कर्मी रमाकांत शर्मा के घर का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे।

उन्होंने अलमारी तोड़कर लगभग 3 लाख रुपए नकद और 10 लाख रुपए से ज्यादा के सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। रमाकांत शर्मा मानिकपुर खदान में फिटर के पद पर कार्यरत थे और 2 महीने पहले ही सेवानिवृत्त हुए थे। घटना के समय वे अपनी पत्नी के साथ पुणे में बच्चों से मिलने गए हुए थे। चोरों की यह पूरी वारदात घर में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी जिलेवासियों को बड़ी सौगात,आधा दर्जन सड़कों के लिए 13 करोड़ 63 लाख रुपए की मिली मंजूरी,आवागमन की होगी सुगमता...

-संवाददाता-
जशपुरनगर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय लगातार जिले के विकास कार्यों को गति दे रहे हैं। ग्रामीण अंचलों में बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में उन्होंने एक और बड़ी सौगात दी है। जिले में आधा दर्जन से अधिक सड़कों के निर्माण और सुधार के लिए कुल 13 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सड़कों के निर्माण से हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा और आवागमन की सुविधा सुगम होगी। स्वीकृत सड़क फरसाटोली से करवाजोर मार्ग 4 किलोमीटर लंबाई की इस सड़क के लिए 4 करोड़ 30 लाख रुपए स्वीकृत। कांसाबेल के जुमाइकेला बाजारडांड से खेदाटोली मार्ग 2.40 किलोमीटर के लिए लागत 2 करोड़ 53 लाख रुपए, जड़ासर्वा से डूमर टोली मार्ग 2 किलोमीटर के निर्माण के लिए लागत 2 करोड़ 46 लाख रुपए की मंजूरी। बूढ़ाडांड से नवापारा होते हुए सामरबहार मार्ग 2.50 किलोमीटर के निर्माण के लिए लागत 1 करोड़ 97 लाख रुपए। मुड़ेकेला एनएच से मुड़ेकेला गोर्रापारा होते हुए सुरेशपुर मार्ग 1.50 किलोमीटर के लिए लागत 1 करोड़ 62 लाख रुपए, लोकेर की पक्की सड़क से राईडांड मार्ग इस सड़क के लिए 75 लाख रुपए की मंजूरी मिली है।इन सड़कों के निर्माण से न केवल ग्रामीण इलाकों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी बल्कि कृषि उत्पादों की ढुलाई,बच्चों के स्कूल-कॉलेज तक पहुंच और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने में भी आसानी होगी।ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से लंबे समय से चली आ रही कठिनाइयाँ दूर होंगी और विकास की नई राह खुलेगी।

जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की पहली बैठक हुई संपन्न जिले में औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर हुई विस्तृत समीक्षा

-संवाददाता-
एमसीबी,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में आयोजित जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की प्रथम बैठक कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र टी. आर. कश्यप के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

बैठक में समिति के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे जिनमें जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा, वनमंडल अधिकारी, कार्यपालन यंत्री राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, उपसंचालक कृषि विभाग, श्रम पदाधिकारी, जिला खनिज अधिकारी एवं सहायक संचालक नगर ग्राम तथा निवेश मनेन्द्रगढ़ शामिल थे। बैठक की शुरुआत समिति

के अध्यक्ष कलेक्टर के निर्देश से की गई। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा निर्धारित एजेंडा में औद्योगिक परियोजनाओं के लिये पहचाने गये औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आबंटित करना, विद्युत शक्ति, जल स्त्रोतों तथा अन्य उपयोगिताओं की पहचान कर उनका आबंटन एवं सुविधापूर्वक उपलब्ध कराना, स्थानीय प्रशासन से परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषयों के संबंध में अनुमोदन तथा श्रम कल्याण से संबंधित मामलों में अनुमोदन लेने जैसे मुद्दों पर समिति को अवगत कराया गया।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने भाजपा की पहल,वोकल फॉर लोकल के लगे स्टॉल

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दृष्टि से वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम के स्टॉल का शुभारंभ विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य,भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की अध्यक्षता,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, कार्यक्रम प्रभारी मुकेश गर्ग की उपस्थिति में किया गया। विधायक श्री मरावी ने फीता काटकर वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकल फॉर लोकल मुहिम को आत्मसात करते हुए स्थानीय

कलाकारों व बुनकरों को प्रोत्साहित करने तथा स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष पहल की गई है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष श्री सोनी ने कहा कि खादी वस्त्र केवल कपड़ा ही नहीं बल्कि हमारे इतिहास, संस्कृति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। हमें स्वदेशी चीजों को अपनाते हुए देश को प्रगति के पथ पर ले जाना है। जिससे हमारी स्थानीय अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की दिशा दोनों को मजबूती मिलेगी।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार:सेंसेक्स 97 अंक गिरकर 80267 के स्तर पर बंद, निफ्टी भी 23 अंक टूटा

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2025 (ए)। विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स की मजबूती के कारण घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार आठवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शुरुआती 10 मिनट में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी भी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि खरीदारों ने दिन में कई बार लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी लगातार दबाव में ही बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। मंगलवार को दिनभर के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर,रियल्टी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल,

हेल्थ केयर,ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर बैंकिंग,पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज,मेटल, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट मे भी मंगलवार को दबाव की स्थिति बनी रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.08 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया। मंगलवार को दिनभर के कारोबार में एनएसई में 2,761 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,270 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,491 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 176.83 अंक की मजबूती के साथ 80,541.77 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले 10 मिनट में ही ये सूचकांक 312.88 अंक की तेजी के साथ 80,677.82 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10:30 बजे तक ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 475 अंक से अधिक टूट कर 163.79 अंक की कमजोरी के साथ 80,201.15 अंक के स्तर तक गिर गया। दिन के कारोबार में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाकर इस सूचकांक को सहारा देने की कोशिश की, जिससे इसकी स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 97.32 अंक की गिरावट के साथ 80,267.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 57.04 अंक उछल कर 24,691.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 10 मिनट में ही ये सूचकांक 96.90 अंक की मजबूती के साथ 24,731.80 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10:30 बजे तक ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 140 अंक से अधिक लुढ़क कर 47.20 अंक की कमजोरी के साथ 24,587.70 अंक तक आ गया। इसके बाद पूरे दिन शेयर बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही।

सोलरवर्ल्ड के शेयरों की मजबूत लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 30 सितम्बर 2025 (ए)। सोलर एनर्जी सेक्टर की कंपनी सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों ने मंगलवार को स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि,निवेशकों की खुशी कुछ देर बाद ही तब फीकी पड़ गई, जब बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयकों में गिरावट का रुख बन गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 351 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। मंगलवार को बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 11 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 389 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 10.68 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 388.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 323.50 रुपये और बीएसई पर 323.20 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 7.8 प्रतिशत का नुकसान हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस का 490 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 68.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 74.24 गुना

सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 68.21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 51.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 440 करोड़ रुपये के 1,25,35,612 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 50 करोड़ रुपये के 14,24,501 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

एमसीबी वालों राजतिलक की करो लो तैयारी आने वाले है जशपुर से दागी खाकीधारी

-न्यूज़ डेस्क-

एमसीबी/कोरिया/सरगुजा,30 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। ये समाचार संभाग के ऐसे पुलिसकर्मी की है जो कई बार अपनी कार्यप्रणाली से खाखी वर्दी को दागदार कर चुके हैं,इनके किस्से कोरिया जिले से लेकर पूरे संभाग तक में चर्चा का विषय बना हुआ हैं,कोई भी अधिकारी या कोई भी कर्मचारी ऐसा नहीं है जो इनकी खाकी वर्दी के दाग से अनजान हो,राजनीतिक दल व बड़े अधिकारी जो कारनामों पर चंद पैसों के लिए मिट्टी डालते हैं वह भी इन्हें उतना ही संरक्षण देते हैं जिस वजह से वह भी बदनाम हैं,उन्हें क्षणिक लाभ किसी तरह पुलिसकर्मियों से चाहिए रहता है जिसका वह उपभोग करते हैं,पर यह भूल जाते हैं कि इससे देश की खाखी की बदनामी कितनी हो रही है,ऐसे पुलिसकर्मियों के लिए वह भी कहावत चरितार्थ होता है बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपैया,उस रुपैया के दम पर जो खेल खेला जा रहा है उससे सिर्फ खाकी बदनाम ही नहीं हो रही है उसपर दाग पर दाग लगता जा रहा है, इनकी छवि इनके विभाग व जनता के बिच भ्रष्टाचार व रिश्वतखोर वाली है, इनके ऊपर कई अन्य आरोपों के कारण सवालिया निशान लगा हुआ है। यही वजह है की इनके लिए कई व्यंग्यात्मक नारा व नाम बन चूका है,यदि इस पर विश्लेषण किया जाए तो कई घटनाक्रम है जो इन्हें ऐसे नारों व नाम से प्रसिद्ध करते हैं,, अभी जो नारा बना है वह ये है कि राजतिलक की करो तैयारी आने वाले हैं जशपुर से दागी खाकीधारी का अर्थ है कि जशपुर से आने वाले एक ऐसा पुलिसकर्मी की बात हो रही है जो 4 महीने में ही वापसी करने जा रहे हैं बस अंतर यह है कि अपना जिला छोड़ पड़ोसी जिला आने की इच्छा उसने जताई थी जिस पर अंतिम मोहर सूचि जारी होते हुए लग गई,सूरजपुर,कोरिया, एमसीबी,अंबिकापुर इन सभी जगह पर उनके कार्यप्रणाली की चर्चाएं हैं,जो अधिकारी इन्हें समझ गया वह इससे दूर रहा पर जो अधिकारी अपने लाभ के लिए इससे जुड़ा वह भी बदनाम हुआ,यही वजह है कि नेता से लेकर अधिकारी तक वही बदनाम है जो इसकी पैरवी करते हैं इस बार भी किसी बड़ी पर ही इसने वापसी का रास्ता तय किया है, कहा तो यह भी जाता है कि करोड रुपए कमाता है और लाखों खर्च करके अपने कमाई वाले जगह पर बना रहता है, यह जनता को चाहे जितना त्रस्त कर ले पुलिसकर्मियों के वर्दी को जितना दागी कर ले पर उसका कुछ नहीं होता बड़े-बड़े मंत्री विधायक व अधिकारी भी इसके कुछ पैसे व मायावी बातों के कायल हो चुके।

मायावी नाम से प्रसिद्ध ऐसे पुलिसकर्मी का यह जिक्र है जो अपनी कार्यप्रणाली के लिए विख्यात है कम से कम कोरिया जिले में,इसकी बगल के जिले में वापसी से भी कोरिया जिलावासी दुःखी हैं क्योंकि यह बगल के जिले से भी कोरिया जिले में हस्तक्षेप करेगा जिसके बिना यह नहीं रह सकता जो सभी का विश्वास है। चाटुकारिता में महारत रखने वाला और चरण वंदन कर आरंभ से नौकरी करने वाला यह मायावी पुलिस विभाग के लिए वह पहचान है जिससे विभाग बदनाम है, इसकी कार्यप्रणाली हमेशा से ऐसी रही है कि आम लोग कम से कम इसकी उपस्थिति में पुलिस पर अविश्वास प्रकट कर जाते हैं और जहां जिस विवेचना में इसका नाम शामिल होता है उसमें कोई न कोई विवाद यह उत्पन्न कर ही देता है या ऐसा विवाद उत्पन्न हो ही जाता है। जिला मुख्यालय कोरिया में लंबे समय से जमा रहने वाला और बाद में कई शिकायतों के बाद जशपुर भेजा गया यह मायावी जशपुर में चार महीने भी नहीं टिक पाया इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह ईमानदारी से नौकरी करता है कि यह नौकरी के नाम पर कुछ और भी करता है जो कोरिया जिले में संचालित उसका अघोषित व्यापार है जिसके कारण वह हर हाल में लौटने में लगा था और ऐसा संभव भी हुआ भले कोरिया जिले तक वह सिफारिश अपनी नहीं वृहद कर सका लेकिन बगल का ही कोरिया जिले के जिला उसे मिल गया।

निष्कर्ष

इस नारे का कोई सीधा समाचार नहीं है, लेकिन यह भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ लोगों के गुस्से को दर्शाता है। कोरिया में हुई कुछ घटनाओं और छत्तीसगढ़ में हाल के भ्रष्टाचार के आरोपों के संदर्भ में इसे एक रिश्वतखोर पुलिसकर्मी के लिए टिप्पणी के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। यह दिखाता है कि लोग चाहते हैं कि पुलिस विभाग में आने वाले लोग बेदाग हों।

घटती घटना
अम्बिकापुर,सोमवार 29 सितम्बर 2025
6
चार महीने में ही शातिर प्रधान आरक्षक की हुई घर के पास पुनः वापसी, अधिकारियों के द्वारा जारी इस स्थानांतरण आदेश पर उठे सवाल ?

एमसीबी जिले में पूर्व साथियों के साथ फिर चलाएगा अपना एकक्षत्र राज,संभावना प्रबल

मायावी कोरिया जिले आना चाहता था लेकिन वह कोरिया जिले के लिए सिफारिश में वह ताकत नहीं लगा सका जिसकी जरूरत है और उसे नवीन जिले एमसीबी के लिए जशपुर से रवानगी मिलने की खुशखबरी मिल गई,एमसीबी जिले में उसके पुराने साथी पहले से मौजूद हैं जो खुद पहले अपनी कार्यप्रणाली के कारण हटाए गए थे और किसी तरह हांथ पैर जोड़कर लौट सके थे। अब माना जा रहा है मायावी भी उन्हीं पुराने साथियों के साथ मिलकर एकक्षत्र राज स्थापित करेगा,एमसीबी जिले के लिए यह दुर्भाग्यजनक है क्योंकि मायावी को लेकर कोरिया जिला कभी भी गौरव महसूस नहीं कर सका। मायावी कोरिया में एक ऐसा व्यक्ति माना जाता था जिसके लिए उसकी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली ही महत्वपूर्ण थी,आम लोगों सहित विभागीय कर्मचारी भी उससे परेशान और कहीं न कहीं प्रताड़ित थे।

एमसीबी जिले से कोरिया जिले तक मायावी की पहुंच होगी आसान,कोरिया जिले में भी मायावी का दिखेगा दखल

मायावी भले ही कोरिया जिला नहीं पहुंच सका भले ही उसकी मन्नते और चरण वंदन हर स्तर तक था लेकिन वह किसी तरह एमसीबी जिले तक पहुंच गया,एमसीबी जिला कोरिया जिले से ही अलग होकर बना नया जिला है और मायावी एमसीबी जिले से पूर्व परिचित है क्योंकि वह कोरिया जिले में ही लगातार कार्यरत रहा है और एमसीबी पहले कोरिया का ही हिस्सा था,मायावी की दखल अब कोरिया जिले में भी दिखेगी ऐसा माना जा रहा है क्योंकि कोरिया जिले से एमसीबी जिला अधिक दूर नहीं है,अब ऐसे में मायावी की दखल कोरिया जिले में भी बराबर दिखने वाली है और वह कोरिया जिले को ही आवासीय मुख्यालय बनाकर रखेगा क्योंकि ऐसे में उसे ज्यादा दिक्कत नहीं होगी और वह आसानी से मनमानी कर सकेगा।

कोरिया जिले में संचालित अपने अघोषित व्यापार को वह अब करेगा निश्चिंत होकर संचालित

मायावी कोरिया जिले के बिल्कुल बगल के जिले में वापसी कर पाया है,यह वापसी इसलिए महत्वपूर्ण है उसके लिए क्योंकि वह कोरिया जिले में अघोषित रूप से संचालित अपने व्यापार को अब निश्चिंत होकर संचालित कर सकेगा। मायावी के लिए अब घर पर ही रहना और कोरिया जिले में लगातार अपने पुराने क्रियाकलाप करने की आसानी होगी।

31 अक्टूबर तक एग्रीस्टेक एवं एकीकृत किसान पोर्टल में किसानों का अनिवार्य पंजीकरण

पंजीकृत किसानों से ही होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

कलेक्टर ने भौतिक सत्यापन एवं नामांतरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

-संवाददाता-

कोरिया,30 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में एडीएम,एसडीएम,तहसीलदारों,कृषि, खाद्य, सहकारिता विभाग के अधिकारियों एवं भौतिक सत्यापन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों को आगामी 31 अक्टूबर 2025 तक किसानों का एग्रीस्टेक एवं एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकरण पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में भारत सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी केवल पंजीकृत किसानों से की जाएगी। इसके लिए समय बहुत सीमित है, इसलिए सभी अधिकारी पंजीकरण कार्य को गंभीरता से लें और निर्धारित समयसीमा में इसे हर हाल में पूरा कराएं।

भौतिक सत्यापन पर विशेष जोर- श्रीमती त्रिपाठी ने भौतिक सत्यापन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पटवारी एवं ग्राम सचिव की मदद से गांवों में जाकर किसानों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें तथा की गई कार्रवाई की नियमित जानकारी भी दें।

नामांतरण कार्य में तेजी- बैठक में कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नामांतरण कार्यों में तेजी लाएं और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। साथ ही किसानों के हित में पंजीकरण कार्य की समयसीमा का पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने किसान पंजीकरण कार्य को समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने हेतु गांव-गांव मुनादी कराने व व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी कृषि व खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए।

विजयादशमी महोत्सव बैकुंठपुर मे धूमधाम से मनाया जाएगा

-संवाददाता-

कोरिया,30 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

रामानुज मिनी स्टेडियम बैकुंठपुर मे होगा रावण दहन

बैकुंठपुर जिला मुख्यालय स्थित रामानुज मिनी स्टेडियम बैकुंठपुर मे प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी रावण दहन किया जाएगा। कोरिया सर्व विकास समिति के संरक्षक देवेन्द्र तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरिया सर्व विकास समिति, श्री राधे सोशल वेलफेयर एवं सार्वजनिक विजयादशमी उत्सव समिति बैकुंठपुर के संयुक्त तत्वाधान मे दिनांक 02 अक्टूबर को शाम 07:00 बजे से रामानुज हाई स्कूल बैकुंठपुर मे विजयादशमी के अवसर रावण दहन किया जाएगा। विजयादशमी के अवसर पर शानदार संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। उन्होंने कहा,हर साल दशहरा का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है दशहरा के दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर युद्ध में जीत हासिल की थी,इस पर्व को असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में भी मनाया जाता है। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि भईयालाल राजवाड़े,विधायक रेणुका सिंह,नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे,विशिष्ट अतिथि चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे,एस.ई.सी.एल महाप्रबंधक वी.एन. झा, जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी सहित सामाजिक वरिष्ठजन शामिल होंगे। आयोजक समिति के संरक्षक देवेन्द्र तिवारी ने सभी गणमान्य नागरिकों , जनप्रतिनिधियों ,स्थानीय जनता और मीडिया प्रतिनिधियों से इस भव्य आयोजन में शामिल होकर इसे सफल बनाने का अनुरोध किया है।

जिले में मेगा स्वास्थ्य व संजीवनी शिविर का आयोजन

-संवाददाता-

कोरिया,30 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। आज जिले के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में मेगा स्वास्थ्य शिविर/स्वास्थ्य संजीवनी शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत आयोजित किए गए,जिसके माध्यम से स्वास्थ्य केंद्रों के अतिरिक्त घर पहुँच सेवाएँ भी उपलब्ध कराई गईं, ताकि वे लोग भी लाभान्वित हो सकें जो स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुँच पाते। शिविरों में बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठजनों की विभिन्न स्वास्थ्य जांचें की गईं। साथ ही फ्लोरोसिस शिविर आयोजित कर फ्लोरोसिस की जांच एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम संपन्न किए गए। इस अवसर पर आयुष चिकित्सकों द्वारा भी लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक कर्मचारी संघ

जिला शाखा-अम्बिकापुर

(कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर अम्बिकापुर)

// संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना//

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अम्बिकापुर में वाहन स्टैण्ड चलाने के इच्छुक एवं सक्षम निविदाकर्ता से बंद लिफाफा में शर्तानुसार निविदा निर्धारित प्रपत्र अनुसंलग्नक- ए में आमंत्रित है वाहन स्टैन्ड संचालन हेतू इच्छुक व्यक्ति /संस्थान उक्त व्यवसाय संचालन हेतू निविदा के प्रपत्र एवं शर्तो के विस्तृत जानकारी कार्यालय नोटिस बोर्ड पर या जिला न्यायालयअम्बिकापुर के वेबसाईट- https://surguja.dcourts.gov.in में प्राप्त कर सकते हैं।

निविदा जमा करने की प्रारंभिक तिथि 01-10-2025
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 15-10-2025
निविदा खोले जाने की तिथि 16-10-2025
निविदा खोले जाने का स्थान अध्यक्ष समिति या वरिष्ठ न्यायाधीश जिला न्यायालय परिसर अम्बिकापुर ।

छत्तीसगढ़ न्यायिक कर्मचारी संघ
जिला शाखा अम्बिकापुर छ0ग0

चालीस वर्षों की शिक्षकीय सेवा पश्चात सेवानिवृत्त हुए रमेश सोनी,विद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

-संवाददाता-

कोरिया/पटना,30 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटना जो वर्तमान में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी,हिंदी माध्यम के रूप में संचालित है के व्याख्याता रमेश सोनी 40 वर्षों की शिक्षकीय सेवा उपरांत 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो गए। 40 वर्षों के लंबे कार्यकाल में प्राथमिक शिक्षक से सेवा की शुरुआत करने वाले शिक्षक रमेश सोनी वर्तमान में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में व्याख्याता के पद पर कार्यरत थे,रमेश सोनी अपने शासकीय सेवा कार्यकाल के दौरान शैक्षिक समन्वयक का भी कार्य कर चुके हैं।

30 सितम्बर 2025 को सेवानिवृत्त हुए रमेश सोनी को विद्यालय परिवार ने भावभीनी विदाई दी और उनके आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रदान की,इस दौरान विभिन्न शिक्षकों ने अपने वक्तव्य दिए और व्याख्याता रमेश सोनी के साथ व्यतीत किए गए सहकर्मी बतौर कार्यों का उल्लेख भी किया, वक्ताओं ने सेवानिवृत्त व्याख्याता रमेश सोनी को कर्तव्यनिष्ठ साथ ही शासकीय कार्यों के प्रति समर्पित बताते हुए सहकर्मियों के साथ भी उत्तम व्यवहार वाला उनका व्यक्तित्व बना रहा ऐसा कहा,समर्पित भाव से विद्यालय के छात्र छात्राओं को बेहतर शिक्षा के लिए प्रयास करते रहना,सहकर्मी शिक्षकों,शिक्षिकाओं के साथ मिलकर विद्यालय की व्यवस्था को सुदृढ़ करना उनकी खूबी थी यह भी वक्ताओं ने बताया,इस अवसर पर उनके शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों की जमकर सराहना भी की गई, सेवानिवृत्त होने के अवसर पर आयोजित विद्यालय स्तरीय विदाई कार्यक्रम में व्याख्याता रमेश सोनी की पत्नी,पुत्र,पुत्रवधू साथ ही नाती,नतिनी शामिल हुए,कार्यक्रम में मुख्य रूप से अतिथियों में प्राचार्य डी के सिंह,सेवानिवृत्त व्याख्याता इदरीश खान,सेवानिवृत्त व्याख्याता राजेंद्र सोनी,प्रभारी प्राचार्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जया तिवारी,विद्यालय के अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल रहीं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ स) अम्बिकापुर मंडल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि :-27-09-2025

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-मनेंन्द्रगढ संभाग
03. सं.क्र. 1 'द' वर्ग एवं उपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि सं.क्र. 1- 13-10-2025

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	192	जिला मनेन्द्रगढ चिरमिरी भरतपुर अंतर्गत जिला न्यायालय बैकुण्ठपुर, सिविल कोर्ट चिरमिरी एवं सिविल कोर्ट मनेन्द्रगढ में शौचालय का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	31.19

जी.न.- 252603859/3

अधीक्षणा अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मंण्डल,अम्बिकापुर

कौन कहता है कि खसरा नंबर 288 पर महाविद्यालय नहीं है, 2017 का नजरी नक्शा कहता है कि 288 खसरा नंबर महाविद्यालय का ही है

जब 2017 में यह तय हो गया था कि 288 खसरा नंबर पर महाविद्यालय स्थित है फिर 288 खसरा नंबर को कैसे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आबटित किया गया?

क्या छत्तीसगढ़ में राजस्व विभाग नौसिखियों के भरोसे चल रहा है?

2017 का नजरी नक्शा आया सामने जिसमें खसरा नंबर 288 में महाविद्यालय व 289 में महाविद्यालय का खेल मैदान है, शिक्षा विभाग का कार्यालय कहीं नहीं है...

महाविद्यालय की जमीन पर हो रहा कब्जा और प्राचार्य चीर निद्रा में लीन हैं?

महाविद्यालय के खसरा क्रमांक 288 और 289 में कब्जा है किसी और का आखिर यह जमीन कैसे मिलेगी महाविद्यालय को?

46 साल के महाविद्यालय की जमीन की सीमा कहां तक है यह बात क्या वहां के प्राचार्य को नहीं पता?

महाविद्यालय की जमीन पर हो रहा है कब्जा पर प्रशासन सहित प्राचार्य क्यों हैं चुप?

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय बैकुंठपुर की जमीन पर अन्य भी कब्जे जारी हैं, जमीन पर कुछ निर्माण गैर शासकीय गैर महाविद्यालय उपयोगी की बात सामने आ रही है, जमीन पर गैर शासकीय कब्जे को लेकर सभी मौन नजर आ रहे हैं,महाविद्यालय प्रबंधन मौन जहां धारण किए नजर आ रहा है वहीं जिला प्रशासन भी मौन धारण किए बैठा है। पूरे मामले में कब्जा बड़े तेजी से हो रहा है और प्रशासन केवल पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए जमीन आबंटित कर अपनी पीठ ठोक रहा है और श्रेय ले रहा है सत्ताधीशों से और कब्जे को लेकर वह मौन स्वीकृति प्रदान करने जैसी स्थिति में है।

महाविद्यालय के एक बहुत बड़े भूभाग में पंडाल बनाकर महाविद्यालय की जमीन पर हो रहा है कब्जा

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय बैकुंठपुर की कुछ जमीन पर तो पंडाल निर्माण का कार्य प्रारंभ नजर आ रहा है, यह पंडाल निर्माण कार्य जोरों से जारी है, पंडाल निर्माण कार्य को लेकर प्रशासन क्यों मौन है जबकि हालिया निर्देश न्यायालय का सामने है कि धार्मिक उद्देश्यों से शासकीय भूमि का प्रयोग अनुचित और गैर कानूनी है।

जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी व प्राचार्य महाविद्यालय के सामने हो रहे कब्जे को लेकर मौन धारण कर बैठे हैं,क्यों?

जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया और महाविद्यालय प्रबंधन अपनी ही अगल बगल की जमीन की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं वहीं जिला प्रशासन और राजस्व विभाग तो पहले से ही इस मामले में उदासीन नजर आ रहा है,जो जिला शिक्षा अधिकारी यह अनापत्ति जारी कर रहे हैं कि उनके कार्यालय के बगल की शासकीय भूमि पर नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाए जाने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है वही जिला शिक्षा अधिकारी यह आपत्ति नहीं दर्ज कर रहे हैं कि उनके कार्यालय से लगी जमीन पर पंडाल निर्माण का कार्य प्रगति पर है, महाविद्यालय प्रबंधन तो वैसे ही उदासीन बना चला आ रहा है और वह भी आपत्ति से बच रहा है,ऐसा क्यों दोनों कर रहे हैं आपत्ति दर्ज कर क्यों अपनी जमीन सुरक्षित नहीं कर रहे हैं यह बड़ा सवाल है।

यदि सीमांकन कर दिया जाए तो कई लोग महाविद्यालय की जमीन पर मिल जाएंगे काबिज

महाविद्यालय परिसर सहित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय क्षेत्र परिसर की जमीन का यदि सीमांकन कर दिया जाए तो यह देखने को मिलेगा कि कई लोग शासकीय भूमि पर काबिज हैं,महाविद्यालय सहित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अगल बगल की जमीन पर कब्जे की वस्तुस्थिति की जानकारी तभी सामने आएगी जब सीमांकन होगा ,वैसे यह सीमांकन जिला प्रशासन को कराना था जब वह नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा था वह भी इसी क्षेत्र परिसर में।

महाविद्यालय के हित में उठाया गई आवाज भी दबाई गई,आखिर क्या ऐसी मजबूरी थी जिला प्रशासन की?

महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण न हो इसको लेकर कई आपत्तियां सामने आई,छात्रों ने आपत्ति दर्ज की, छात्र संगठनों ने जिसमें एबीवीपी छात्र संघ ने भी आपत्ति दर्ज की उन्होंने इसे महाविद्यालय के विस्तार का दुश्मन बताया वहीं महाविद्यालय प्रबंधन ने भी आपत्ति दर्ज करते हुए छात्रों की स्वतंत्रता बाधित होने की बात जिला प्रशासन के समक्ष रखी, इसी क्रम में राजनीतिक संगठनों और अन्य सामाजिक लोगों ने भी विरोध किया और पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए अन्यत्र भूमि उपलब्ध कराए जाने की मांग की, पूर्व मुख्यमंत्री, क्षेत्रीय सांसद ने भी आपत्ति दर्ज की लेकिन सभी आपत्तियां जिला प्रशासन ने खारिज कर दी,अब जिला प्रशासन की कैसी और कौन सी मजबूरी थी आपत्तियों को खारिज करने के विषय में यह एक सवाल है। क्या केवल निर्णय पर अडिग रहकर निर्णय न बदलना एक जिद मात्र है जिला प्रशासन का।

जनप्रतिनिधि भी जानते थे कि... यह गलत हो रहा है...फिर भी चुप क्यों?-

सत्ताधारी दल के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों सहित नेता यह जानते हैं कि यह गलत हो रहा है और छात्र, महाविद्यालय प्रबंधन, विपक्ष,छात्र संगठन,अन्य समाज के लोग जो कह रहे हैं जो आपत्ति इस बात की दर्ज कर रहे हैं कि कम से कम महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण न कराया जाए वह सही कह रहे हैं फिर भी वह मौन हैं,वह क्यों मौन हैं यह बड़ा सवाल है।

महाविद्यालय की जमीन पर हो रहा कब्जा

घटती घटना | सरगुजा अंतर्राष्ट्रीय-समाचार | अम्बिकापुर,सोमवार 29 सितम्बर 2025 | 4

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय आखिर किस खसरा नंबर की भूमि पर है स्थापित ?

क्या प्रशासन ने पुलिस कार्यालय को जमीन आबंटित करते समय आबंटित की गा रही जमीन का सीमांकन कराया?

-न्यूज़ डेस्क-

कोरिया,30 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

क्या प्रशासन उस चर्चित कहावत की तरह है जो हमेशा कही जाती है जब कोई नहीं सुनता है वह कहावत है भैंस के सामने बीन बजाना यानी की आप उसको बताते रहिए समझाते रहिए पर उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्या प्रशासन भी कुछ ऐसे ही नीति पर चल रही है? यदि इस मुद्दे पर हम चर्चा करें तो एक मुद्दा कोरिया जिले का है, वह है महाविद्यालय के जमीन पर नवीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाने का मुद्दा,इस मामले को लेकर लगातार यह बात सामने आ रही है कि वहां पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाना गलत है कहीं ना कहीं यह वैध नहीं है,वह जमीन महाविद्यालय की है और उस महाविद्यालय के समीप पुलिस अधीक्षक कार्यालय कहीं से भी उचित नहीं है, लेकिन इस बात को कोरिया जिला प्रशासन मानने को तैयार नहीं है,लोग ऐसा मानने लगे हैं कि जैसे कि भैंस के सामने बीन बजाने का कोई मतलब नहीं है,वैसे प्रशासन के सामने इस बात को बार-बार कहने का भी कोई मतलब नहीं है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय महाविद्यालय परिसर में गलत बन रहा है। जबकि दस्तावेजों और रिकॉर्ड पर चर्चा की जाए तो जहां प्रशासन यह कह रहा है कि खसरा क्रमांक 288 पर महाविद्यालय नहीं है पर वही एक कागज दैनिक घटती घटना अखबार के हांथ लगा है जो 2017 में एक लड़ाई में एक सीमांकन के दौरान नजरी नक्शा बनाया गया था, जिस नजरी नक्शा में उसने यह दर्शाया की 288 में महाविद्यालय है और 289 में महाविद्यालय का ग्राउंड है पर यह बात 2017 में कही गई पर 2025 में जब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए भूमि को आबंटित करना था उस समय नजरी नक्शा में यह बात क्यों नहीं कही गई? यह बहुत बड़ा सवाल है और कहीं ना कहीं यह सवाल प्रशासन के लिए भी सोचनीय है पर समझ में यह नहीं आ रहा है कि आखिर प्रशासन इतनी जिद क्यों करके रखा है कि किसी भी दस्तावेज व बाकी चीजों को मानने को तैयार नहीं है? उन्हें तो बस अपना हठधर्मिता ही अपनानी है जो समझ में भी आ रहा है महाविद्यालय की जमीन मामले में।

ज्ञात होगी रामानुज प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय की स्थापना 46 वर्ष पूर्व 1982 हुई थी और उस समय से आज तक यह महाविद्यालय उसी स्थान पर संचालित हो रहा है, यहां तक की महाविद्यालय को 1995 तक अपना खुद का भवन मिल चुका था जो भवन खसरा नंबर 288 पर स्थित है,और 289 पर उसका ही खेल का मैदान स्थित है,यह बात हम नहीं कह रहे हैं यह बात जो अभी दैनिक घटती घटना के हाथ कुछ दस्तावेज हाथ लगे वह हैं जो एक नजरी नक्शा है वह कह रहा है,यदि उस नजरी नक्शे पर गौर किया जाए तो यह बात सही है कि वास्तविक स्थिति में खसर 288 और 289 यह दोनों महाविद्यालय की जमीन है पर इसके बावजूद 288 में नवीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोरिया बनाने के लिए महाविद्यालय से ही अनुमति नहीं ली गई क्योंकि प्रशासन भी यह बात जानता था कि वह अनुमति नहीं देंगे,क्या इस वजह से यह पूरा प्रोपेगेंडा बाहर ही बाहर कर दिया गया और आवंटन आदेश जारी कर दिया गया, क्या आवंटन आदेश भी कहीं न कहीं नियमों को दरकिनार करके तो नहीं बनाया गया? क्या नौसिखिये राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी टेबल पर बैठकर आवंटन आदेश बना दिया? उन्हें बिल्कुल भी उस जमीन की वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं थी या फिर जानबूझकर ही हठधर्मिता दिखाते हुए ऐसा फैसला लिया गया?

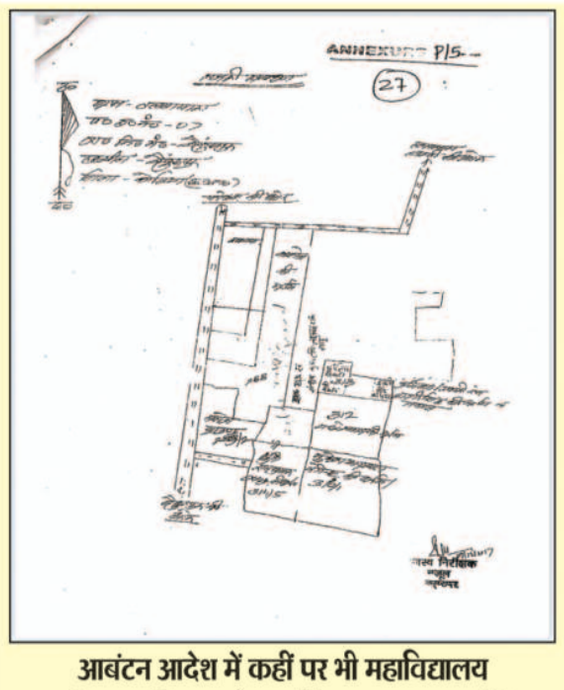

आबंटन आदेश में कहीं पर भी महाविद्यालय को उस जमीन पर होना नहीं बताया गया...क्यों?

महाविद्यालय की ही जमीन पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण कराया जा रहा है जो वह नजरी नक्शा बता रहा है जो नजरी नक्शा दैनिक घटती घटना के हांथ लगा है वह कह रहा है, अब सोचने वाली बात यह है कि जब पुलिस अधीक्षक कार्यालय महाविद्यालय की जमीन पर बन रहा है और जिला प्रशासन ने वही जमीन नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए आबंटित की है तो फिर क्यों महाविद्यालय से अनापत्ति नहीं प्राप्त की गई या उनकी अनापत्ति नहीं स्वीकार की गई, महाविद्यालय प्रबंधन को क्यों आखिर नहीं बतलाया गया इस विषय में,वैसे महाविद्यालय प्रबंधन की बजाए जिला शिक्षा अधिकारी से अनापत्ति प्राप्त की गई जो मामले में भूस्वामी है भी की नहीं यह स्पष्ट नहीं है।

क्या महाविद्यालय जमीन पर है इस बात को छुपा कर ही यह आदेश निकाला जा सकता था?

जिस तरह पुलिस अधीक्षक कोरिया के नए कार्यालय के लिए महाविद्यालय की भूमि का आबंटन किया गया और जिसमे महाविद्यालय प्रबंधन से सहमति या अनापत्ति नहीं प्राप्त किया गया महाविद्यालय प्रबंधन की अनापत्ति को अस्वीकार भी किया और अंततः पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए महाविद्यालय की जमीन आबंटित की गई क्या ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि महाविद्यालय प्रबंधन को सूचित कर किसी भी हाल में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए जमीन आबंटित नहीं की जा सकती थी, क्या प्रशासन इस बात से वाकिफ था कि यदि महाविद्यालय प्रबंधन इस मामले में जानकारी प्राप्त कर लेगा कि महाविद्यालय की जमीन ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए दी जा रही है वह पूर्व आपत्ति करता इसलिए उसे नहीं बतलाया गया केवल एक औपचारिकता मात्र के लिए जिला शिक्षा अधिकारी से जो उक्त जमीन में स्पष्ट रूप से भू स्वामी नहीं हैं से अनापत्ति प्राप्त कर लिया गया।

2017 के नजरी नक्शे ने सारी चीज कर दी साफ और बता दिया की जमीन पर कौन है स्थापित

दैनिक घटती घटना के हांथ वर्ष 2017 का जो नजरी नक्शा हाथ लगा है वह नजरी नक्शा यही कह रहा है कि जिस जमीन पर नया पुलिस अधीक्षक कार्यालय बन रहा है वह जमीन महाविद्यालय की है, अब इस विषय में अन्य तथ्य उस हिसाब से बेमानी हैं जिसमें जमीन को महाविद्यालय का नहीं है बताया जा रहा है। कई दशकों से महाविद्यालय उसी जमीन कर काबिज है और महाविद्यालय का ही पूरे जमीन पर कब्जा चला आ रहा है यह स्पष्ट है नजरी नक्शे से।

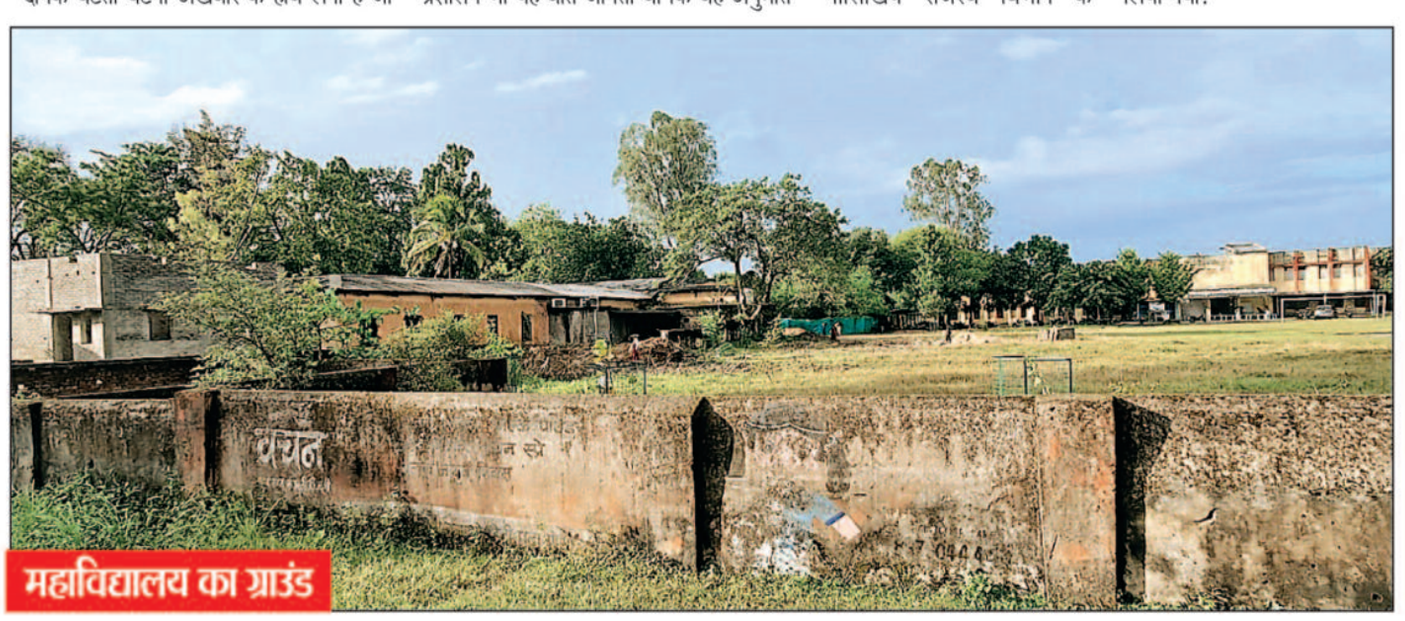
महाविद्यालय का ग्राउंड

मैं जब बड़ा हुआ तो मुझे बहुत शर्म आई...,होमबाउंड के नीरज घेवान बोले...यह सच्चाई मुझे बहुत कचोटती है...

अपनी पहली ही फिल्म मसान से राष्ट्रीय पुरस्कार पाने और कान्स फिल्म फेस्टिवल में धमक जमाने वाले नीरज घेवान तकरीबन दस साल बाद एक बार फिर चर्चा में हैं। उनकी नई फिल्म होमबाउंड को कान्स में नौ मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला और अब यह भारत की आधिकारिक ऑस्कर एंट्री है।

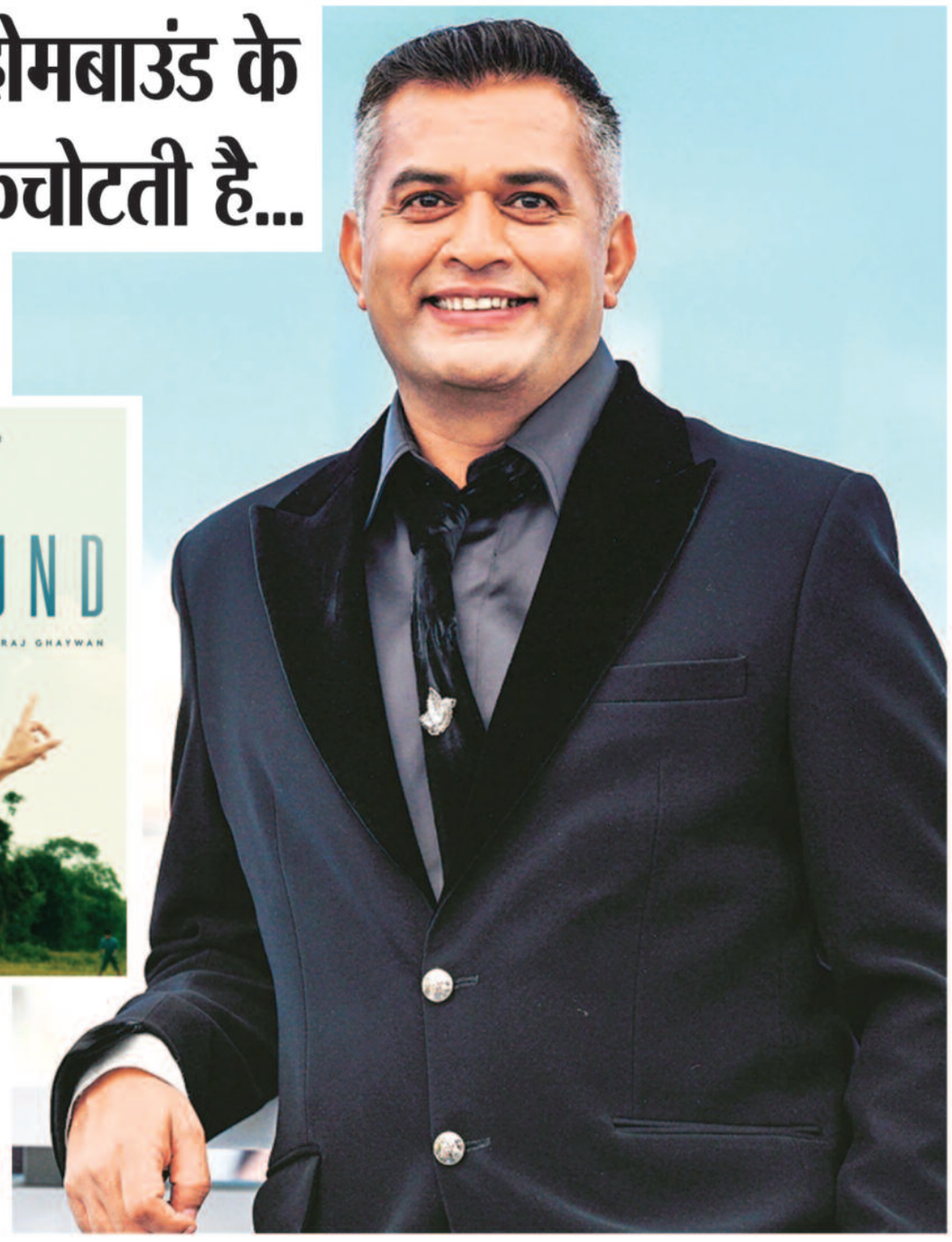

वर्ल्ड सिनेमा में आप इंडियन सिनेमा को किस पायदान पर पाते हैं?

आज वर्ल्ड सिनेमा में इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी उपलब्धि पायल कपाड़िया की रही है। उन्होंने सचमुच गर्दा उड़ा दिया और भारत को नए मुकाम पर पहुंचाया। मैं उनका बड़ा मुरीद हूं। उनकी हर फिल्म मुझे पसंद आती है और उनके करेज की मैं दाद देता हूं। मुझे लगता है हम वहां तक पहुंच चुके हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को अक्सर यूरोपियन स्टाइल अपनानी पड़ती है ताकि फिल्म का चयन हो सके। मेरा मानना है कि हमारे अपने इमोशन और कहानियों को उसी तरह कहना जरूरी है। वरना तालियां और अवॉर्ड्स तो मिल जाएंगे, लेकिन हमारी फिल्में उन लोगों तक नहीं पहुंचेंगी जिनके लिए वे बनी हैं। हमें अपनी कहानियां कहने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।

फिल्म में जातिगत भेदभाव के साथ बेटे को प्राथमिकता देने का मुद्दा भी उठता है। यह पक्षपात समाज में आम है,इस पर आपका अनुभव?

मैं खुद एक पुरुष प्रधान दलित परिवार से आता हूं। मेरी तीन बड़ी दीदियां हैं। मैं ये मानता था कि मैं घर में सब छोटा था, इसलिए मुझे ज्यादा लाड़-प्यार मिलता है और शायद दीदियां भी यही सोचती थीं, मगर मैं जब बड़ा हुआ तो मुझे बहुत शर्म आई। मुझे मेरी दादी बड़े गिलास में दूध देती थीं और बहनों को नहीं देती थीं। जब मुझे दुनिया की थोड़ी-थोड़ी समझ आई, तब इस बात ने मुझे बहुत कचोटा। विडंबना ये है कि चाहे दलित समाज हो, मुसलमान हो, ऊंची जाति हो या LGBTQIA+ कम्युनिटी, सब जगह पैट्रियार्की गहरी है। मैं भी उसी का लाभार्थी रहा। यह सच्चाई मुझे बहुत कचोटती है। मुझे इसे नकारना था।

आज के सोशियो-पॉलिटिकल माहौल में जाति केंद्रित फिल्म बनाने का साहस आप कैसे कर पाए?

साहस से ज़्यादा यह जिम्मेदारी का अहसास था। फिल्म बशारत पीर की लिखी एक सच्ची घटना पर आधारित है। असल मकसद यह सवाल उठाना है कि हम एक-दूसरे को वर्गों में क्यों बांट रहे हैं? मैं यह हूं, तुम वह हो। इस फिल्म के जरिए मैं गुहार लगाना चाहता हूं कि एक-दूसरे की जो आपसी मुठभेड़, रंजिशें और मतभेद हैं,उन्हें हम भूलें और आमने-सामने बैठ कर ये सोचें कि क्या हम संवाद कर सकते हैं? हम एक-दूसरे को नोच रहे हैं, गाली दे रहे हैं। उनसे भी मेरी गुहार है, जो शायद मेरे अभिप्राय से अलग हों। हम सभी को थम कर ये सोचने की जरूरत है कि हम कहीं ज्यादा आगे तो नहीं बढ़ गए? भारत को जो चीज एकजुट रखेगी, वह है आत्मीयता और एक-दूसरे को समझने की क्षमता, जिसे हमें फिर से जगाना होगा।

एक तरफ कहा जाता है कि मेन स्ट्रीम सिनेमा स्टार ओरिएंटेड है जबकि विश्व पटल पर हमें ले जाने वाला पैरलल सिनेमा ही रहा है, आप क्या कहना चाहेंगे?

आपकी बात में दम है, तो दुनिया के सारे तारे आपसे जुड़ जाते हैं। मैं आपको एक वाकया दूंगा। मेरे पास ये दोनों सितारे (ईशान खट्टर-विशाल जेठवा) हैं, फिर इनके साथ फिल्म में जाह्नवी कपूर जुड़ीं। करण जौहर जुड़ गए एक इंडिपेंडेंट फिल्म को प्रड्यूस करने के लिए। फिर विश्व के जो सबसे बड़े फिल्ममेकर हैं मार्टिन स्कॉर्सेसी उन्होंने हमें मेंटॉर किया और हम फिल्म दिखाया CANNES में, हम टोरेंटो में गए।

आपकी फिल्म होमबाउंड ऑस्कर 2025 की ऑफिशियल एंट्री साबित हुई है, क्या अहसास हैं?

गर्व हो रहा है। खुशी भी महसूस हो रही है। पूरे देश का भार हमारे कंधों पर आ गया है, तो हमें जिम्मेदारी महसूस हो रही है कि इसका मान भी रखना है।

सलमान खान संग कंट्रोवर्सी पर बोले विवेक ओबेरॉय

मैंने जो फिल्में साइन की थीं, उनसे निकाला गया,अब उन बातों को भूल गया हूं

एक्टर विवेक ओबेरॉय का पास्ट बहुत कंट्रोवर्शियल रहा है लेकिन फिलहाल वो अपनी निजी जिंदगी में काफी खुश और सेटल हैं। एक्टर अपने बिजनेस और काम को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में विवेक ने एक इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में उन्होंने साल 2003 के उस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बारे में बात की, जिसमें उन्होंने सलमान खान पर गंभीर आरोप लगाए थे। विवेक ने ऐश्वर्या के साथ हुए ब्रेकअप पर भी अपना पक्ष रखा। प्रखर गुप्ता के पॉडकास्ट में विवेक ने कहा- मैं जीवन में बहुत संवेदनशील और भावुक व्यक्ति रहा हूं। मैं दिल टूटने के डर में नहीं जीना चाहता क्योंकि मैं पहले ही ये सब झेल चुका हूं। मैंने इसका अनुभव किया है, ये बहुत ही डरावना, अकेला और अलग-थलग करने वाला अनुभव है।' विवेक कहते हैं- ये तो मेरे जीवन का अहम सवाल है। मैं ऐसे प्वाइंट पर था, जहां पर भयंकर करियर बॉयकट चल रहा था। मतलब मेरे साथ कोई काम ही नहीं करने को तैयार। मैंने जो

फिल्में साइन की थी,उनमें से मुझे निकाला जा रहा था। ऊपर से फोन पर अजीबोगरीब धमकी मिल रही थी। कभी मुझे,कभी मेरी बहन,पापा और मां को धमकी मिल रही है। एक तरफ ये सब चल रहा था, दूसरी तरफ पर्सनल लाइफ भी खराब चल रही थी। मैं अपनी मां को गोद में सिर रखकर बहुत रोया और ये सवाल अलग-अलग तरह से पूछा। फिर मेरी मां ने मुझे कई उदाहरणों के जरिए समझाया तो मैंने सोचा बात तो सही कह रही हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस वाली घटना पर विवेक कहते हैं- सच तो यह है कि इस विषय पर किसी भी प्रकार की चर्चा करना भी उनके लिए बहुत ही अटपटा लगता है। अजीब बात ये है कि सिर पर जब आफत आती है, सिर पर पंगे होते हैं, तब वो बड़े लगते हैं। मेरा बेटा विवान 12 साल का है और बिटिया 10 साल की है। जब मैं लाइफ में उनकी प्रॉब्लम देखता हूं तो मुझे कैसे हंसी आती है। इसी तरह, जब मुझे लगता है कि मेरी प्रॉब्लम इतनी बड़ी है,उस वक्त भगवान आपकी समस्याओं को देखकर हंसता थे। वे सोचते होंगे कि बच्चे यह तो छोटी सी बात है, मैं तुम्हें मजबूत बनाऊंगा। उन्होंने कहा-वो नजरिया बाद में दिखता है। अब मुझे वो फनी और बचपना लगता है। अब कोई प्रतिक्रिया देना या देना अजीब लगता है। वो जो डर था, या कड़वाहट थी, जख्म थे, वो उस वक्त एक मुश्किल दौर बन जाता है। मैं जिस भी दौर से गुजरा हूं, उसे अब भूल गया हूं। विवेक आगे देव आनंद के गाने का उदाहरण देते हुए बताते हैं- वो देव साहब का गाना है ना, हर फ्रिक के धुएं में उड़ाता चला गया।

एक्टर प्रभास के खाते में 5 धांसू फिल्में, एक के लिए लगा दुनिया का सबसे बड़ा सेट

प्रभास का नाम उन सितारों में शुमार हैं, जिनकी लोकप्रियता केवल साउथ तक सीमित नहीं, बल्कि वो अपने दमदार अभिनय के दम पर दुनियाभर के दर्शकों से वाहवाही लूट चुके हैं। उनकी बाहुबली और बाहुबली 2 जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खूब बवंडर मचाया है। प्रभास अगले कुछ सालों के लिए तगड़ी तैयारी करके बैठे हैं। फिल्में बेशक अभी रिलीज से दूर हैं, लेकिन काम तेजी से चल रहा है। एक नजर प्रभास की आने वाली फिल्मों पर।

द राजा साब

प्रभास की फिल्म द राजा साब को लेकर उनके प्रशंसक बेसब्र हैं। फिल्म के निर्माता टीजी विश्व प्रसाद के मुताबिक पीपल्स मीडिया फैक्ट्री के स्टूडियो में इस फिल्म के लिए जो हवेली का सेट लगाया गया, वो 35,000 स्क्वायर स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। उनके मुताबिक दुनिया के किसी भी सेट का फ्लोर इतना बड़ा नहीं है। इसे 1,200 कर्मचारियों ने 4 महीने में तैयार किया था। ये फिल्म 9 जनवरी,2026 को 5 भारतीय भाषाओं में रिलीज होगी।

स्पिरिट

प्रभास के खाते में स्पिरिट भी है, जिसका निर्देशन पिछली बार रणबीर कपूर के साथ 900 करोड़ रुपये छाप चुके निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। एनिमल से बॉक्स ऑफिस पर धुआं उड़ाने वाले संदीप अब प्रभास के साथ 500 करोड़ी फिल्म स्पिरिट लेकर आ रहे हैं, जिसमें पहली बार सुपरस्टार की जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। खास बात ये है कि इस फिल्म में प्रभास 3 अलग-अलग अवतार में नजर आएंगे। फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

फौजी

निर्देशक हनु राघवपुड़ी की फौजी में भी प्रभास मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। ये एक भव्य वॉर ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसमें बॉलीवुड से अभिषेक बच्चन की भी एंट्री कराई गई है। ये फिल्म 1940 के भारत में सेट है। ये सुभाष चंद्र बोस के समय को भी दर्शाएगी। फिल्म में प्रभास उनकी फौज में काम करते हुए दिख सकते हैं। इसका बजट करीब 300 करोड़ रुपये है। फिल्म अगले साल अप्रैल में दर्शकों के बीच आ सकती है।

सालार 2 और कल्कि 2

सालार ने दुनियाभर में शानदार कमाई की थी और प्रभास के गिरते स्टारडम को संभाला था। अब फिल्म का अगला भाग आने वाला है। सालार 2 में राजनीति, एक्शन और खूब ड्रामा होगा। निर्माता के मुताबिक,सीक्वल एक्शन के मामले में बहुत बड़ा साबित होगा। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। उधर प्रभास अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी का सीक्वल ला रहे हैं। ये अगले साल सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगा।

खेल समाचार

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट 7 से 9 नवम्बर तक होगा,इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, 22 सितम्बर 2025। हांगकांग के कॉनराड होटल में एक समारोह में बहुप्रतीक्षित हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट का औपचारिक रूप से ऐलान किया गया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का 2025 संस्करण 7 से 9 नवम्बर तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी,जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत,नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग,चाइना शामिल हैं। यह टूर्नामेंट पूरी दुनिया में होने वाले किसी भी अन्य क्रिकेट आयोजन से पूरी तरह से अलग है। अपनी अनोखी शैली के लिए प्रसिद्ध इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की शुरुआत 33 वर्ष पहले की गई थी। भविष्य के सितारों से सजा यह टूर्नामेंट इस वर्ष और भी खास होने जा रहा है, जिसमें वीकेंड पर कम्युनिटी फैन पार्क भी शामिल किया गया है। इसके बारे में बात करते हुए क्रिकेट हांगकांग, चीन के चेयरपर्सन बुरजी श्रॉफ ने कहा, हांगकांग सिक्सेस हमारे लिए केवल क्रिकेट का एक मंच नहीं बल्कि, हमारी सामुदायिक भावना और खेल के प्रति साझा जुनून का प्रतीक है। यह टूर्नामेंट हर वर्ग के लोगों, प्रशंसकों व खिलाड़ियों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। यह न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा, बल्कि हमारे खूबसूरत शहर की जीवंत संस्कृति और समृद्ध विरासत को भी दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, हम आभारी हैं कि सरकार ने लगातार दूसरे वर्ष हमें 'एम' मार्क स्टेटस और मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी से फंडिंग सहयोग प्रदान किया है। चर्चा को आगे बढ़ते हुए मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी के चेयरमैन विलफ्रेड एनजी ने कहा, हम क्रिकेट हांगकांग, चाइना के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल के आयोजन ने

भागीदार बनकर काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट स्थानीय खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलने का अवसर देता है और जनता को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताएं देखने का मौका प्रदान करता है। इससे खेल संस्कृति और सामुदायिक गौरव को बढ़ावा मिलता है तथा हांगकांग को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में स्थापित करने के हमारे उद्देश्य को और मजबूत करता है। क्रिकेट हांगकांग, चाइना के मार्केटिंग और कमर्शियल निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, 12 अंतरराष्ट्रीय टीमों में क्रिकेट दिग्गजों और युवा सितारों की मौजूदगी से इस बार प्रतिभा का स्तर अभूतपूर्व होगा। हमें उम्मीद है कि खेल की गुणवत्ता और रोमांच अपने चरम पर रहेगा। यह सिर्फ एक बड़ा क्रिकेट आयोजन नहीं, बल्कि हमारे शहर को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर भी है। अरीवा स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक और वाणिज्यिक साझेदार रजनीश चोपड़ा ने कहा, सिक्सेस ऐसा आयोजन है जिसे हम वर्षों से देखते आ रहे हैं। हम हमेशा से किसी अलग तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन पर काम करना चाहते थे और सिक्सेस ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें परंपरा भी है और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की क्षमता भी। हम इसका हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं। इवेंट का आधिकारिक साझेदार हांगकांग जॉकी क्लब है, जिसके साथ मिलकर जॉकी क्लब हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस कम्युनिटी प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा, जो स्थानीय लोगों में क्रिकेट को बढ़ावा देगा। इसमें मास्टरक्लास, अन्य खेल व सांस्कृतिक स्टॉल्स भी शामिल होंगे। पहली बार क्रिकेट हांगकांग, चाइना ने सांस्कृतिक बूथ और मिनी क्रिकेट अनुभव को प्रदर्शनी के रूप में टूर्नामेंट स्थल पर शामिल किया है। यहां चार बूथ लगाए जाएंगे जहां जनता खेल का अनुभव ले सकेगी। इस कार्यक्रम के तहत दिव्यांग और वंचित समुदाय के लिए निःशुल्क टिकट भी दिए जाएंगे ताकि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले एम मार्क इवेंट का आनंद लेने का समान अवसर मिल सके।

प्रतियोगिता का प्रारूप : इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी,जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत,नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग, चाइना शामिल हैं।

पूल ए : दक्षिण अफ्रीका (ए1), अफगानिस्तान (ए2), नेपाल (ए3)पूल बीः ऑस्ट्रेलिया (बी1), इंग्लैंड (बी2), यूएई (बी3)पूल सीः भारत (सी1), पाकिस्तान (सी2), कुवैत (सी3)पूल डीः श्रीलंका (डी1), बांग्लादेश (डी2), हांगकांग, चाइना (डी3) पूल स्टेज के बाद हर ग्रुप की शीर्ष 2 टीमें क्वार्टर फाइनल में जाएंगी। क्वार्टर फाइनल के विजेता कप सेमीफाइनल खेलेंगे और हारने वाली टीमें प्लेट सेमीफाइनल में उतरेंगी। प्रत्येक ग्रुप की सबसे निचली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। तीन दिनों में कुल 29 मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक मैच 6 ओवर का होगा, हर टीम में 6 खिलाड़ी होंगे और हर गेंदबाज एक ओवर डालेगा (विकेटकीपर को छोड़कर), एक गेंदबाज 2 ओवर फेंक सकता है।

आर्चरी प्रीमियर लीग मेरे ओलंपिक सपनों की राह का पुल साबित हो सकती है : दीपिका कुमारी

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025। भारत की स्टार तीरंदाज और पूर्व विश्व नंबर-1 दीपिका कुमारी ने आने वाली आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) को भारतीय तीरंदाजी के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। दीपिका का मानना है कि यह पेशेवर फ्रेंचाइजी-आधारित प्रतियोगिता उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका देगी, जो लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में पदक जीतने की उनकी तैयारी में अहम भूमिका निभाएगी। दीपिका, जो संभवतः अपने करियर का पाँचवाँ और अंतिम ओलंपिक 2028 में खेलेंगी, ने कहा कि एपीएल जैसी प्रतियोगिता उनके खेल को निखारने और अल्टीमेट टारगेट हासिल करने के लिए बेहद ज़रूरी है। उन्होंने एक बयान में कहा, मेरे लिए लॉस एंजेलिस 2028 सबसे बड़ा लक्ष्य है। मैंने हमेशा ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने का सपना देखा है और मुझे विश्वास है कि आर्चरी प्रीमियर लीग उस सपने तक पहुँचने की ताकत बनेगी। यह लीग हमें वही दबाव और माहौल देगी, जो ओलंपिक में महसूस होता है–भरे स्टेडियम, हर तीर की अहमियत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला। ऐसे माहौल में खेलना मुझे और मज़बूत बनाएगा। भारत में तीरंदाजी का चेहरा मानी जाने वाली दीपिका पिछले एक दशक से लगातार देश का परचम लहरा रही हैं। जमशेदपुर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक का उनका सफर अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। कई बार विश्व नंबर-1 रैंकिंग हासिल करने वाली दीपिका ने वर्ल्ड कप में कई पदक जीते हैं। वह पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। दीपिका ने कहा कि एपीएल में अमेरिकी दिग्गज और कई बार के ओलंपिक पदक विजेता ब्रैडी एलिसन जैसे सितारों के साथ खेलने से अपार अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा, जब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज एक ही टीम में होंगे, तो हम प्रशिक्षण पद्धतियाँ, रणनीतियाँ और मानसिकता साझा

करेंगे। यही तरीका स्तर को ऊँचा उठाने का है। मैं उत्साहित हूँ कि हम एक-दूसरे को कैसे बेहतर बनाएंगे। अपने व्यक्तिगत लक्ष्य से आगे बढ़कर दीपिका ने ज़ोर दिया कि एपीएल जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के लिए भी क्रांतिकारी साबित होगी। उन्होंने कहा, तीरंदाजी महंगा खेल है। गाँवों में कई प्रतिभाशाली बच्चे होते हैं,लेकिन वे उपकरण और अकादमी का खर्च नहीं उठा पाते। बड़ी कंपनियों के निवेश और सीएसआर फंड सही दिशा में पहुँचने से यह बाधा टूटेगी। यह लीग न केवल युवाओं को मंच देगी बल्कि करियर बनाने का अवसर भी उपलब्ध कराएगी। दीपिका ने यह भी कहा कि लीग भारत में तीरंदाजी को पहचान दिलाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति में तीरंदाजी का समृद्ध इतिहास है, लेकिन बहुत कम लोग इसे समझते हैं। टीवी, विज्ञापन और सोशल मीडिया के ज़रिए लीग इसे लोकप्रिय बनाएगी और नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी। जितने अधिक लोग हमें जानेंगे, उतने ही बच्चे तीरंदाज बनने का सपना देखेंगे। 2 अक्टूबर से शुरू होने वाली आर्चरी प्रीमियर लीग में भारत और दुनिया के शीर्ष तीरंदाज हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता फ्रेंचाइज़ी मॉडल पर आधारित होगी, जिसमें रिकर्व और कम्पाउंड दोनों ही वर्ग शामिल होंगे। दर्शकों के लिए इसे रोमांचक बनाने हेतु लीग में तेज़-तर्रार प्रारूप और नए नियम पेश किए गए हैं।

साय कैबिनेट मीटिंग...100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती होगी

कर्मचारियों को मिलेगा शॉर्ट टर्म लोन,दिव्यांगजनों के लिए राहत,मुख्य सचिव ने किया पदभार ग्रहण

रायपुर,30 सितम्बर 2025। मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता महानदी भवन में कैबिनेट बैठक हुई। इस बैठक में सभी 14 मंत्री शामिल हुए। मीटिंग में 3 प्रमुख फैसले लिए गए। दिव्यांगजन के कल्याण के लिए 24.50 करोड़ रुपए की बकाया राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया है। 100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती करने का फैसला भी लिया गया है। साथ ही शासकीय सेवकों को आकस्मिक वित्तीय जरूरत पर वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण उपलब्ध करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगी है। वहीं इस बैठक में अमिताभ जैन को विदाई और नवनियुक्ति मुख्य सचिव का स्वागत किया गया। साथ ही उन्होंने पदभार ग्रहण किया।

शासकीय सेवकों को अल्पावधि ऋण सुविधा

सरकारी कर्मचारियों की अचानक आने वाली वित्तीय जरूरतों को देखते हुए उन्हें वेतन के विरुद्ध अल्पकालिक ऋण देने का फैसला लिया गया है। यह ऋण बैंकों या वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से दिया जाएगा। वित्त विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया है। पात्र बैंक/संस्थाओं से एमओयू (समझौता पत्र) करने का प्रारूप भी मंजूर किया गया।

दिव्यांगजनों के हित में बड़ा फैसला

राज्य सरकार ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त-विकास निगम की 24.50 करोड़ रुपए की बकाया ऋण राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया है। यह राशि राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त-विकास निगम की ओर से राज्य के दिव्यांगों को 3% ब्याज दर पर शिक्षा और स्वरोजगार के लिए दिए गए ऋण से संबंधित है।

स्पेशल एजुकेटर्स की सीधी भर्ती में नियमों में छूट

स्कूल शिक्षा विभाग में 100 स्पेशल एजुकेटर की सीधी भर्ती के लिए नियमों में एक बार के लिए छूट दी गई। भर्ती नियम-2019 को शिथिल करते हुए, चयन परीक्षा के बजाय मेरिट के आधार पर भर्ती की अनुमति दी गई। यह फैसला दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

राज्य की सौर ऊर्जा नीति में संशोधन

- नई संशोधित सौर ऊर्जा नीति 2030 तक लागू रहेगी या नई नीति जारी होने तक मान्य होगी।
- सौर ऊर्जा परियोजनाओं को अब राज्य की औद्योगिक नीति में प्राथमिकता उद्योग का दर्जा मिलेगा।
- निवेशकों को कई रियायतें और प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जैसः
- ब्याज पर अनुदान
- पूंजी लागत पर अनुदान (सूक्ष्म उद्योगों के लिए)
- जीएसटी की प्रतिपूर्ति (लघु,मध्यम व बड़े उद्योगों के लिए)
- बिजली शुल्क और स्टाम्प शुल्क में छूट
- परियोजना रिपोर्ट तैयार करने पर अनुदान
- भूमि उपयोग बदलने की फीस में छूट
- भूमि बैंक से जमीन लेने पर रियायत
- अनुसूचित जाति/जनजाति, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और तृतीय लिंग उद्यमियों को जमीन के प्रीमियम में छूट
- दिव्यांगों को रोजगार देने पर अनुदान

छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त मुख्य सचिव श्री विकासशील ने कार्यभार संभाला

विकास शील भारतीय प्रशासनिक सेवा 94 बैच के आईएएस अधिकारी ने आज मंत्रालय,महानदी भवन में मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विकासशील छत्तीसगढ़ के 13वें मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हैं। इसके पहले वे एशियन डेवलपमेंट बैंक, मनीला में कार्यकारी निदेशक के पद पर पदस्थ थे। श्री विकास शील को आईएएस बनने के बाद मध्य प्रदेश कैडर मिला था। नवंबर 2000 में मध्यप्रदेश राज्य के विभाजन के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला। वे कोरिया,बिलासपुर और रायपुर जिले के कलेक्टर रहे हैं। वे स्कूल शिक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सामान्य प्रशासन और स्वास्थ्य विभागों के सचिव पद पर तैनात रहे। इसके अलावा, वे अप्रैल 2007 से अप्रैल 2008 तक राजधानी रायपुर के कलेक्टर भी रहे हैं। वर्ष 2018 से वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भारत सरकार में रहे। उन्होंने केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में जल जीवन मिशन के मिशन डायरेक्टर के पद पर अपनी सेवायें दीं। श्री विकासशील का जन्म 10 जून 1969 को हुआ था। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बी.ई. और फिर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से एम.ई. किया। उन्होंने सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी, अमेरिका से लोक प्रशासन में मास्टर और एक्जीक्यूटिव मास्टर डिग्री और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन एवं नीति में एडवांस्ड स्टडी का सर्टिफिकेट कोर्स किया है।

मुख्य-सचिव बदलते ही प्रशासनिक सर्जरी,14 आईएएस को नई जिम्मेदारी

राजनांदगांव कलेक्टर बने जितेंद्र यादव,पी. दयानंद डीपीआर से बाहर,रोहित यादव की एंट्री

रायपुर,30 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में नए मुख्य सचिव विकास शील के पदभार ग्रहण करते ही 14 आईएएस अफसरों के विभागीय प्रभार में फेरबदल किया गया है। जितेंद्र यादव राजनांदगांव कलेक्टर बनाए गए हैं। वहीं पी.दयानंद जनसंपर्क विभाग से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह पर डॉ रोहित यादव की एंट्री हुई है। जारी आदेश के मुताबिक कई वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वहीं कुछ अधिकारियों को उनके मौजूदा प्रभारों से मुक्त भी किया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव रजत कुमार ने आदेश जारी किया है। इसके अलावा राज्य प्रशासनिक सेवा के 7 अधिकारियों का भी ट्रांसफर हुआ है।

आईएएस सुब्रत साहू को अतिरिक्त प्रभार

आदेश के अनुसार आईएएस रेणु जी पिल्ले (1991 बैच) को अध्यक्ष,व्यापमं के पद पर पदस्थ किया गया है। इसके साथ ही माध्यमिक शिक्षा मंडल का अतिरिक्त प्रभार उनको सौंपा गया है। वहीं, सुब्रत साहू (1992 बैच) को 1 अक्टूबर से सेवानिवृत्त हो रहे टोपेश्वर वर्मा की जगह अध्यक्ष, राजस्व मंडल, बिलासपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। आईएएस सोनमणि बोरा (1997 बैच) को प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. रोहित यादव (2002 बैच) को सचिव, जनसंपर्क विभाग पदस्थ किया गया है। साथ ही ऊर्जा, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और CSPGCL, CSPDCL के

अध्यक्ष का दायित्व जारी रहेगा। वहीं जनसंपर्क विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे पी. दयानंद (2006 बैच) को इस दायित्व से मुक्त किया गया है।

चंपावत को विमानन विभाग की जिम्मेदारी

आईएएस अविनाश चंपावत (2003 बैच) को धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का अतिरिक्त प्रभार मिला है, जबकि आईएएस मुकेश कुमार बंसल (2005 बैच) को सचिव, विमानन विभाग का दायित्व सौंपा गया है। आईएएस अंकित आनंद (2006 बैच) को सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग तथा पर्यावरण संरक्षण मंडल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाला...

सीबीआई ने सोनवानी को बताया मास्टरमाइंड

2000 पन्नों का पूरक चालान पेश,टामन ने आरती-ललित के साथ पेपर कॉपी कराया

रायपुर,30 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सोमवार को स्पेशल कोर्ट में 2000 पन्नों का पहला पूरक चालान पेश किया है। इस चालान में घोटाले से जुड़े कई अहम खुलासे किए गए हैं। एजेंसी ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को घोटाले का मास्टरमाइंड बताया है। इसके अलावा आरती वासनिक, जीवन किशोर ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आडिल को भी आरोपी बनाया गया है। सभी आरोपियों की भूमिका का विस्तार से जिक्र करते हुए सीबीआई ने सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट को जानकारी दी है। फिलहाल, सभी आरोपी सीबीआई की न्यायिक रिमांड में जेल में बंद हैं। मामले में अब तक 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

आरती ने टामन और ललित के साथ पेपर दूसरों को दिए : छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2021 की परीक्षा में प्री और मेन्स दोनों के सभी सेट लीक हुए थे। ये लीक तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक ने चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, उप परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर और सचिव जीवन किशोर ध्रुव ने मिलकर किया। पर्चे छापने का ठेका कोलकाता के अरुण द्विवेदी की प्रिंटिंग प्रेस मेसर्स एकेडी प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। कंपनी ने प्रिलिम्स के 2 पर्चे तैयार किए थे। इसमें सामान्य अध्ययन और छत्तीसगढ़ से संबंधित 100 प्रश्नों का

प्रश्न पत्र था। सामान्य अभिरुचि (सीसेट) के 100 प्रश्नों का दूसरा प्रश्न पत्र शामिल था। कंपनी ने प्रश्न पत्र तैयार कर लिया और प्रिंट करने वाले थे। तभी आरती वासनिक ने प्रिंटिंग कंपनी के मालिक अरुण द्विवेदी को फोन कर पर्चे रिव्यू कराने के लिए बुलाया। जनवरी 2021 में उसका स्टाफ महेश दास सात सेट में प्रश्न पत्र लेकर रायपुर आया। उसने सील बंद पर्चे आरती को सौंपे। आरती पर्चे लेकर घर चली गई। आरती ने उन्हें टामन और ललित के साथ मिलकर खोल लिया और कॉपी करवा ली। लिफाफा फिर से सील कर महेश को प्रिंटिंग के लिए वापस दे दिया।

टामन ने घर पर साहिल-नीतेश को दिया पेपर

सीबीआई के मुताबिक, टामन ने परीक्षा का पर्चा लीक कर घर पर साहिल, नीतेश, उसकी पत्नी निशा कोसले और दीपा आदिल को दिया। परीक्षा में दीपा जिला आबकारी अधिकारी, निशा डिप्टी कलेक्टर, साहिल डीएसपी और नीतेश डिप्टी कलेक्टर बने। ललित गणवीर ने पर्चा बजरंग पावर एंड इस्पात के डायरेक्टर श्रवण गोयल को दिया। उनके बेटे शशांक, बहू भूमिका ने उससे तैयारी की। दोनों डिप्टी कलेक्टर पद पर चुने गए।

राजनीतिक साजिश नहीं थी बिरनपुर हत्याकांड,सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा

रायपुर,30 सितम्बर 2025। चर्चित बिरनपुर कांड में सीबीआई की जांच पूरी हो चुकी है। कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दिया गया है। अब इस मामले में गवाहों के बयान कोर्ट में दर्ज होंगे। गवाहों की गवाही के बाद इस मामले में कोर्ट फैसला सुनाएगा। लेकिन ये बाद की खबर होगी, आज की जो ख़बर वो है सीबीआई की चार्जशीट, जिसमें विस्तार से सीबीआई ने घटना विवरण प्रस्तुत करते हुए अपनी जांच की बिंदुओं को विस्तार से उल्लेखित किया। बता दें कि सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में खुलासा करते हुए यह स्पष्ट किया है कि बिरनपुर कांड राजनीतिक हत्याकांड नहीं था। इसमें किसी भी तरह की कोई राजनीतिक साजिश सामने नहीं आई है। चार्जशीट में सीबीआई ने कहीं भी अंजोर यदु के नाम की भूमिका को उल्लेखित नहीं किया। जबकि विधायक ईश्वर साहू आरोप लगाते रहे हैं कि अंजोर यदु की भूमिका हत्याकांड के पीछे किसी न किसी रूप में रही है। बता दें कि 8 अप्रैल 2023 के दिन दो गुटों में हुए झगड़े के बीच भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई थी।

शव को सम्मानजनक विदाई देना मौलिक अधिकार मुक्तिधाम की बदहाली पर भड़के चीफ जस्टिस

बिलासपुर,30 सितम्बर 2025। तखतपुर ब्लॉक के ग्राम रहंगी स्थित मुक्तिधाम की बदहाल तस्वीर देखकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा सख्त हो गए। रविवार को हाईकोर्ट के एक न्यायिक अधिकारी के पिता की अंत्येष्टि में शामिल होने पहुंचे चीफ जस्टिस ने मुक्तिधाम की अव्यवस्था देख नाराजगी जताई और कहा शव को सम्मानजनक विदाई देना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। मुक्तिधाम में न बाउंड्रीवाल है, न फेंसिंग। बरसात में पहुंचने का रास्ता कीचड़ से पटा रहता है। चारों ओर झाड़ियां और जंगली घास उगी हैं, जिससे सांप और जहरीले कीड़ों का खतरा बना रहता है। सफाई व्यवस्था का हाल यह है कि अंतिम संस्कार के बाद फेंके गए कपड़े, शराब की बोतलें और पॉलीथिन हर जगह बिखरे पड़े हैं। कचरा फेंकने के लिए डिब्बा तक नहीं है। वहीं लाइट, शेड, बैठने की सुविधा और शौचालय का भी अभाव है। चीफ जस्टिस ने इस मसले को जनहित याचिका मानते हुए दशहरा अवकाश के बीच ही सोमवार को सुनवाई की।

बिहार चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ के 13 अफसर बनाए गए पर्यवेक्षक,3 अक्टूबर को दिल्ली में है बैठक

रायपुर,30 सितम्बर 2025। भारत निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ के 11 आईएएस और 2 आईपीएस अफसरों को बिहार चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

सभी अफसरों को 3 अक्टूबर को दिल्ली बुलाया गया है। इन सभी के साथ आयोग इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट सेंटर में बैठक होगी। निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को प्रेषित पत्र में लिखा है कि बिहार विधानसभा के आगामी आम चुनाव और उपचुनाव के लिए केंद्रीय

पर्यवेक्षकों की ब्रीफिंग मीटिंग के बारे में जानकारी दी गई है। पत्र में कहा गया है कि सूची में शामिल सभी 11अधिकारियों को समय पर ब्रीफिंग मीटिंग में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। आयोग ने यह भी कहा है कि अनधिकृत अनुपस्थिति को आयोग द्वारा गंभीरता से लिया जाएगा और इसके परिणामस्वरूप अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा सकती है। अधिकारियों को ब्रीफिंग मीटिंग की सूचना 24 घंटे के भीतर उचित स्वीकृति के साथ देनी होगी और एक पुष्टि रिपोर्ट लिखित में आयोग को भेजनी होगी। जिन अफसरों को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, उनमें अब्दुल कैसर हक,शम्मी आबिदी,भीम सिंह, शिखा राजपूत तिवारी, धर्मेश साहू,पीएस एल्मा,सारांश मित्तर, पुष्पेन्द्र मीणा,तारण प्रकाश सिन्हा, विनीत नंदनवार और रितुराज रघुवंशी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ कैडर के दो आईपीएस डी रविशंकर और गिरजा शंकर जायसवाल को भी पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

फर्जी साधू महिला डॉक्टर को ठगते वीडियो,यूपीआई से लिए पैसे

रायपुर,30 सितम्बर 2025। राजधानी में एक महिला डॉक्टर से ठगी का अनोखा मामला सामने आया है। साधुओं के वेश में आए दो अज्ञात व्यक्ति पहले महिला डॉक्टर के क्लिनिक में जबरन घुस गए,फिर महिला डॉक्टर को हिप्नोटाइज कर क्यूआर कोड से पैसे ले लिए। महिला डॉक्टर के मुताबिक आरोपी ठग लगातार उनकी आंखों में देखने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। पीड़ित डॉ. सुधा अग्रवाल चौधरी ने बताया कि वह 26 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे शंकर नगर स्थित सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर क्लिनिक में अपने एक स्टाफ के साथ बैठी थी। तभी साधुओं के भेष में दो अज्ञात व्यक्ति खिड़की

से झांकते हुए क्लिनिक में घुस गए। पहले स्टाफ ने उन्हें पैसे दिए, लेकिन साधुओं ने कहा कि उन्हें पैसे नहीं चाहिए। इसके बाद वे सीधे डॉक्टर के केबिन की ओर जाने लगे। रिसेप्शनिस्ट ने उन्हें रोकने की कोशिश की,लेकिन वे सीधे डॉक्टर के पास पहुंच गए। दोनों आरोपियों ने इलाज के बहाने डॉक्टर से बातचीत शुरू की। फिर डॉक्टर से उनकी निजी जानकारी लेने लगे।

मेडिकल व्यवसायी से 73 लाख की ठगी लोन दिलाने का लालच देता था ठग

बिलासपुर,30 सितम्बर 2025। मेडिकल व्यवसायी से लोन दिलाने का झांसा देकर 73 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यवसायी की शिकायत पर सकरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला सकरी थाना क्षेत्र का है। सकरी थाना क्षेत्र के नेचर सिटी सकरी निवासी मेडिकल व्यवसायी राजेश पांडेय को 12 फरवरी की दोपहर एक अनजान नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को एक निजी फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी जिग्नेश त्रिवेदी बताया। उसने व्यापारी को भरोसा दिलाया कि प्रधानमंत्री समृद्धि योजना के तहत उन्हें 50 लाख का लोन मिल सकता है। जिग्नेश ने लोन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए व्यापारी से आवश्यक दस्तावेज मांगे। व्यापारी ने दस्तावेज व्हाट्सएप पर भेज दिए। इसके बाद आरोपी ने बताया कि उन्हें 70 लाख रुपये का लोन स्वीकृत हो सकता है और योजना के तहत 30 प्रतिशत छूट भी मिलेगी। प्रोसेसिंग चार्ज के नाम पर 14 फरवरी को 19 हजार 900 रुपये और फिर 16 फरवरी को लोन इंश्योरेंस के नाम पर 35 हजार 700 रुपये ऑनलाइन जमा कराने कहा गया।

छत्तीसगढ़ के 3 प्राइवेट यूनिवर्सिटी को यूजीसी ने थमाया नोटिस

रायपुर,30 सितम्बर 2025। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश भर के 54 निजी विश्वविद्यालयों को नोटिस जारी किया है। ये शैक्षणिक संस्थान यूजीसी के सेल्फ पब्लिक डिस्क्लोजर नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। जून 2024 में आयोग की ओर से जारी किए गए। इन दिशानिर्देशों के अनुसार सभी विश्वविद्यालयों को अपनी वेबसाइटों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करनी होगी। जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए और इसके लिए लॉगिन या पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। यूजीसी की तरफ से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि निजी विश्वविद्यालयों को

निर्देश दिया गया था कि वह अपने संस्थानों की पूरी जानकारी आयोग को भेजें। इसके लिए एक फार्मेट भी भेजा गया था। ऐसे विश्वविद्यालयों की सूची यूजीसी ने जारी की है। इस सूची में छत्तीसगढ़ के भी तीन विश्वविद्यालय हैं। यूजीसी ने पूछा था कि उनका मुख्यालय कहां है, विवि की वेबसाइट, उनकी ईमेल आईडी, विवि के अधिकारियों की पूरी जानकारी, विवि कब स्थापित हुआ, विवि में कितने कॉलेज हैं, विवि में चलने वाले कोर्स, यूजी और पीजी में कितने छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं, किस वर्ग से कितने छात्रों का दाखिला हुआ है, परीक्षाओं की स्थिति क्या है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का कहना है कि प्राइवेट विश्वविद्यालय को पहले भी कई बार इन जानकारियों के लिए पत्र लिखा गया था, लेकिन उनके स्तर से अबतक कोई जवाब नहीं आया है। उन्हें कई बार ईमेल भेजकर व ऑनलाइन मीटिंग में इस संबंध में याद दिलाया गया। ये दिशानिर्देश उच्च शिक्षा में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए हैं। विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रमों, संकाय,बुनियादी ढांचे, शोध गतिविधियों,प्रशासन और वित्त के बारे में जानकारी देनी होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)